गोवायार्ड दर्शन

अप्रैल-सितंबर 2023





गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

शिपयार्डों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादक शिपयार्ड



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), गोवा के सहयोग से
बिचोलिम तालुका के 'किसानों के लिए आयुर्वेद' परियोजना



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन



प्रिय साथियों,

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने छह दशकों से निरंतर प्रगति की दिशा में चलते हुए कई मुकाम हासिल किए हैं और रक्षा मंत्रालय के उत्कृष्ट कार्य निष्पादक शिपयार्ड के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। रक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़े निर्यातक शिपयार्ड की उपलब्धि हमारे लिए गौरव की बात है। गोवा शिपयार्ड जहाज निर्माण के क्षेत्र में उत्पादन संबंधी गतिविधियों के अलावा सरकार की सभी नीतियों का अनुपालन करते हुए राष्ट्र के विकास में एक समर्पित संगठन के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। समाज के प्रति उत्तरदायित्व एवं स्थानीय समुदाय के लिए सहयोग की भावना हमारी सद्भावना का प्रतीक है। गोवा शिपयार्ड सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति समर्पित भाव से समाज के सभी वर्गों के लिए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन कर रहा है।

गोवा शिपयार्ड राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में प्रगति के लिए पूर्णरुपेण प्रतिबद्ध है। राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए गोवा शिपयार्ड में हिंदी की प्रगति के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं। हमारा सदैव प्रयास रहा है कि हम प्रोत्साहन और प्रशिक्षण के माध्यम से सभी कार्मिकों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करें, ताकि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर स्वयं हिंदी में कार्य करते हुए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। हिंदी पत्रिकाओं के प्रकाशन द्वारा कर्मियों की रचनात्मक क्षमता को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान किया जाता है। संगठन की विभिन्न गतिविधियों एवं क्रियाकलापों को हिंदी पत्रिका के माध्यम से सभी लोगों तक पहुंचाया जाता है। इस प्रक्रिया में हिंदी भाषा हमारी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और इसके द्वारा ही हम अपने विचार एक दूसरे तक पहुंचाते हैं।

यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का 20वां अंक प्रकाशित किया जा रहा है। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी रचनाओं हेतु तथा राजभाषा अनुभाग की पूरी टीम को उनके प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निदेशक की कलम से



राजभाषा हिंदी को राष्ट्र का गौरव बनाने में हम सबका सहयोग बेहद जरुरी है और इस दिशा में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड निरंतर प्रयत्ननशील है। राजभाषा कार्यान्वयन की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि हम हिंदी के प्रयोग को किस तरह अपनाते हैं। गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हिंदी के प्रयोग पर अधिक बल दिया जा रहा है। इस सार्थक पहल के रूप में हम एक सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं। राजभाषा हिंदी के प्रगति के लिए प्रशिक्षण, संगोष्ठी, कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं एवं इस क्षेत्र से जुड़े सभी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन गोवा शिपयार्ड की पहली प्राथमिकता रही है। इन गतिविधियों की सफलता हमारा उत्साह बढ़ाती है और हमें हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

गोवा शिपयार्ड की गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का प्रकाशन भी राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में हमारा एक महत्वपूर्ण प्रयास है। वर्ष में दो पत्रिकाओं के प्रकाशन द्वारा विभिन्न क्रियाकलापों एवं यार्ड की गतिविधियों का चित्रण हमारी गतिशीलता को दर्शाता है। आशा करता हूँ कि 'गोवायार्ड दर्शन' के माध्यम से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलेगा एवं उन्हे हिंदी में कार्य करने की नई प्रेरणा मिलेगी। बड़े हर्ष का विषय है कि हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का यह 20वां अंक प्रकाशित किया जा रहा है। मैं सभी कार्मिकों एवं राजभाषा अनुभाग को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ।

'गोवायार्ड दर्शन' के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन
निदेशक (नियोप एवं व्यावि)

दो शब्द



राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन एक सामूहिक उत्तरदायित्व है, जिसमें हम सभी की समान सहभागिता होती है। राजभाषा हिंदी संवाद और सूचना का सरल और सहज माध्यम है। गोवा शिपयार्ड में हमारा प्रयास है कि राजभाषा हिंदी का एक ऐसा वातावरण तैयार किया जाए, जिससे हम अपना प्रत्येक कार्य हिंदी में आसानी से कर सकें। संगठन के विभिन्न स्तरों पर राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाते है तथा प्रशिक्षण द्वारा सभी कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित किया जाता है। अत: हमारा प्रयास यही है कि सभी क्षेत्रों में हम राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ा सकें।

'गोवायार्ड दर्शन' के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य यार्ड की विभिन्न गतिविधियों को आप तक पहुंचाना है और कर्मचारियों की सृजनात्मकता को उजागर कर हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। पत्रिका में गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की स्थिति के साथ–साथ विभिन्न विषयों पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। 'गोवायार्ड दर्शन' के 20वें अंक के माध्यम से हमारे प्रयासों की एक झलक आप लोगों के समक्ष पहुंचाने की कोशिश है। मैं राजभाषा अनुभाग को उनके सराहनीय प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ।

'गोवायार्ड दर्शन' के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं ।

शशिकांत शिवाजी कांबले
विभाग प्रमुख (मा सं एवं प्रशा)

संपादकीय



सूचना और प्रौद्योगिकी ने आज पूरी दुनिया का परिदृश्य बदल दिया है। तकनीक के बढ़ते चरण ने मनुष्य को अभिव्यक्ति के अनेक अवसर उपलब्ध कराए हैं। संचार के विभिन्न माध्यमों से हम आसानी से सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियों में डिजिटल माध्यमों का विश्व स्तर पर अभूतपूर्व उपयोग हो रहा है। समयानुसार तकनीकी दृष्टि से सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी ने अन्य कई भाषाओं के साथ अपना स्थान बना लिया है और यह हम सबके लिए एक शुभ एवं सुखद संकेत है। राजभाषा हिंदी का वैश्विक स्वरूप संचार के सभी माध्यमों इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर, डिजिटल मीडिया और प्रिंट मीडिया में उपयोग हो रहा है। नियमित रूप से प्रौद्योगिकी की सहायता से डिजिटल माध्यमों द्वारा राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन सुचारू रूप से चल रहा है।

राजभाषा हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता उसका लचीलापन है, जो किसी भी भाषा के शब्दों को बिना किसी भेदभाव के अपना लेती हैं। हिंदी की भाषायी क्षमता अद्वितीय है। सभी भारतीय भाषाओं के शब्दों को सहज स्वीकार कर लेने की प्रवृत्ति ने हिंदी की लोकप्रियता बढ़ाई है और इस आत्मसात करने की क्षमता के कारण ही हिंदी की निरंतर उन्नति भी हो रही है। राजभाषा हिंदी को हम सार्थकता तभी प्रदान कर सकते हैं जब हम उसकी समस्त क्षमताओं का उपयोग करते हुए गर्व से सिर उठाकर निसंकोच हिंदी का प्रयोग सभी व्यवहार क्षेत्रों में करें ताकि सभी क्षेत्रों में हम इसका प्रयोग बढ़ा सकें। तकनीकी एवं विज्ञान जैसे जटिल विषयों को सरल हिंदी में प्रस्तुत करना हिंदी के प्रचार–प्रसार में एक उल्लेखनीय कार्य है।

गोवा शिपयार्ड ने राजभाषा के प्रति सम्मान एवं कर्तव्यनिष्ठा की भावना का परिचय देते हुए एक विशिष्ट स्थान बनाया है। आपके समक्ष 'गोवायार्ड दर्शन' का 20वा अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। हमारी गृह–पत्रिका गोवा शिपयार्ड के विविध क्रियाकलापों के विभिन्न आयामों को दर्शाती है और साथ ही हमारे कार्मिकों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करती है। 'गोवायार्ड दर्शन' का वर्ष में दो बार प्रकाशन राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार की दिशा में हमारा सार्थक प्रयास है। आपकी प्रतिक्रिया एवं बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

शुभकामनाओं सहित...

राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

1.	श्री बृजेश कुमार उपाध्याय	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष
2.	कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन	निदेशक (नियोप एवं व्यावि)	सदस्य
3.	श्री सुनील शिवलिंग बागी	निदेशक (वित्त)	”
4.	श्री संजय कृष्ण नव्हाले	मुख्य सतर्कता अधिकारी	”
5.	श्री क्लिफ़र्ड परेरा	मुख्य महाप्रबंधक (आयोजना)	”
6.	कमोडोर (निवृत्त) आदिकेश वासुदेवन	महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं एवं परियोजनाएं)	”
7.	श्री पी. रविन्द्रन	महाप्रबंधक (उत्पादन)	”
8.	श्री सुनील पी. यादव	महाप्रबंधक (परियोजना, वित्त एवं लेखा)	”
9.	श्री आनंद मुर्शिली	महाप्रबंधक (निगमित वित्त)	”
10.	श्री नागेश डी. पई	महाप्रबंधक (जहाज़ मरम्मत)	”
11.	श्री देवानंद एस. पाटेकर	महाप्रबंधक (डिज़ाइन एवं इलेक्ट्रिकल)	”
12.	श्री एम. सुब्रमण्यम	महाप्रबंधक (वाणिज्य)	”
13.	श्री वी. के. देशपांडे	महाप्रबंधक (सामान्य इंजीनियरिंग सेवाएं)	”
14.	श्री शशिकांत शिवाजी कांबले	विभाग प्रमुख (मानव संसाधन एवं प्रशासन)	”
15.	श्री दत्तप्रसाद नरहरि भट	विभाग प्रमुख (गु. आ. एवं वि.)	”
16.	श्री विवेक के. सैल	विभाग प्रमुख (बाह्यस्त्रोत)	”
17.	श्री प्रकाश लक्ष्मण गावडे	विभाग प्रमुख (शिपयार्ड आधुनिकीकरण परियोजना)	”
18.	श्री एम. कलयरसन	अपर महाप्रबंधक (प्रशासन)	”
19.	श्री किशोर सामंत	अपर महाप्रबंधक (विधि)	”
20.	श्रीमती छाया जैन	अपर महाप्रबंधक – कंपनी सचिव	”
21.	कमांडर (निवृत्त) हरिकृष्णन	अप्रनि के तकनीकी सहायक	”
22.	श्री विभु सिंह प्रतिहार	उप कमांडेंट (केऔसुब)	”
23.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)	सदस्य सचिव

संपादक मंडल

■ संरक्षक ■

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

■ मार्गदर्शक ■

कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन
निदेशक (नियोप एवं व्यावि)

■ संपादक ■

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

■ सहयोगी गण ■

हिंदी अनुभाग

■ विशेष सहयोग ■

जनसंपर्क अनुभाग

(इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचारों से गोशिलि का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह रचनाकारों के अपने विचार हैं।)

पत्रिका डिज़ाइन
द बालाजी ऑफसेट
ईमेल: thebalajioffset95@gmail.com
मो. +91 99244 75211

अनुक्रमणिका

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन
- निदेशक की कलम से
- दो शब्द
- संपादकीय

■ अभिनंदन ■

- ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 7
- 'प्रॉमिसिंग पीआर पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार' 7
- यंग परफॉर्मर अवार्ड 8

■ शिपयार्ड गतिविधियां ■

- केन्या के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड का संदर्शन 9
- गोशिलि इंटीग्रेटेड स्टोर्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन 10
- गोशिलि की 57वीं वार्षिक साधारण बैठक 11
- पहले एलपीजी सिलेंडर वाहक पोत का जलावतरण 12
- दूसरे एलपीजी सिलिंडर वाहक पोत का जलावतरण 13
- 04 तटरक्षक एफपीवी का कील लेईंग समारोह 14
- क्षति नियंत्रण सिम्युलेटर 'अमोघ' का पोर्ट ब्लेयर में कमीशनींग 15
- गोशिलि और एमआईपीएल द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 16
- जहाज निर्माण और रक्षा क्षेत्रों की उन्नति के लिए गोशिलि और एफएसआईडी, आईआईएससी, बेंगलुरु में सहयोग 17
- गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और बिट्स गोवा इनोवेशन, इनक्यूबेशन और एंटरप्रेन्योरशिप सोसाइटी में जहाज निर्माण और रक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने के लिए सहयोग 18
- गांधीनगर, गुजरात डेफ एक्स्पो में गोशिलि का स्वदेशी जहाज निर्माण सामर्थ्य प्रदर्शन 19

■ उत्सवों से सराबोर शिपयार्ड ■

- विश्व पर्यावरण दिवस संपन्न 20
- 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस
- रक्तदान शिविर 21-22
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 23
- स्वतंत्रता दिवस 2023 24-25
- 75वां आजादी का अमृत महोत्सव 26-28
- गोशिलि में महिला सशक्तिकरण
- कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम 29
- वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए आउट बाउंड कार्यक्रम 30
- सीएसआर पहल के अंतर्गत जनकल्याणकारी परियोजनाएं 31-33
- अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) 34

■ आलेख ■

- आयकर आकलन 2023-24 : नया टैक्स स्लैब या पुराना 35
- गर्ल एंटरप्रेन्योर 36
- भ्रष्टाचार उन्मूलन में शिक्षा की भूमिका 37-38
- महात्मा गांधी (बापू) को पत्र द्वारा अहिंसा और प्रेम का संदेश 38
- स्वास्थ्य और फिटनेस
- पहेलियाँ 39-40
- ग्रीन चैनल नीति 41-42
- गति शक्ति – गति की शक्ति 43-45

■ काव्यांजलि ■

- इंसान 45
- अमन ए वतन 45
- ऊँचाई 46
- माँ 46
- प्रकृति का संदेश 47
- माँ 47

■ पुरस्कृत कविताएं ■

- मैं हिंदी हूँ
- आह्वान 48

ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार



22वां वार्षिक ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 2022 श्री कमलेश्वर शरण, प्रबंध निदेशक और सीईओ ग्रीनटेक फाउंडेशन, शांतनु कुमार दत्ता. सदस्य सचिव, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एसएससी पार्थिबन, पूर्व कार्यकारी निदेशक–एचआर, प्रमुख कॉर्पोरेट सीएसआर, ओएनजीसी द्वारा श्री पी. रविंद्रन, महाप्रबंधक (उत्पादन) एवं श्री रुपेश कुमटेकर, उप महाप्रबंधक (संरक्षा) गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने प्राप्त किया।

'प्रॉमिसिंग पीआर पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार'



श्री निखिल मुकुंद वाघ, वरिष्ठ प्रबंधक (जनसंपर्क अधिकारी), गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को पब्लिक रिलेशन काउंसिल ऑफ इंडिया के 17वें ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव में चाणक्य पुरस्कार समारोह के दौरान पीआरसीआई 'प्रॉमिसिंग पीआर पर्सन ऑफ द ईयर' पुरस्कार से 'बिल्डिंग ट्रस्ट डिजिटल' नई दिल्ली में, श्री जुएल ओराम, सांसद और रक्षा संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और श्री विनोद जुत्शी, पूर्व पर्यटन सचिव, ने पीआरसीआई के मुख्य संरक्षक श्री एम. बी. जयराम और चेयरमैन एमेरिटस और बड़ी संख्या में कॉर्पोरेट संचार और मीडिया प्रोफेशनों की उपस्थिति में सम्मानित किया।

यंग परफॉर्मर अवार्ड



श्री दुर्गा बी. शंकर डम्पनबोईना, प्रबंधक (सामान्य इंजीनियरिंग सेवाएं) ने लक्षद्वीप प्रशासन (यूटीएलए प्रोजेक्ट – यार्ड 1261 और 1262) के लिए एलपीजी सिलेंडर कैरियर वाहक पोत के जलावतरण में अनुकरणीय प्रयासों के साथ–साथ उच्च स्तर के प्रोफेशनल कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने डिज़ाइनिंग, योजना, परियोजनाओं, उत्पादन, खरीद, प्राप्ति गुणवत्ता निरीक्षण, शाफ्टिंग से संबंधित कार्यों के अलावा आपूर्तिकर्ता और ग्राहक के साथ समन्वय में विभिन्न प्रकार की समानांतर गतिविधियों को एक साथ पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

इन महत्वपूर्ण गतिविधियों को पूरा करने में कार्य के प्रति उनके दृष्टिकोण और व्यवहार से उल्लेखनीय अंतर स्पष्ट दिखता है। अनेक चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, विभिन्न जिम्मेदारियों को संभालते हुए, उन्होंने इस जहाज का जलावतरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी कार्य समय पर पूरे कर लिए। इस उद्देश्य के लिए उनके द्वारा प्रदर्शित बहुमूल्य योगदान और दृढ़ता ने उन्हें 'यंग परफॉर्मर अवार्ड' के योग्य बना दिया।

यह सराहनीय प्रदर्शन गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की सर्वोत्तम परंपरा के अनुरूप है। 15 अगस्त 2023 को श्री दुर्गा बी. शंकर डम्पनबोईना को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा 'यंग परफॉर्मर अवार्ड' प्रदान किया गया।

केन्या के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा गोशिलि का संदर्शन



केन्या के महामहिम कैबिनेट रक्षा सचिव (रक्षा मंत्री के समकक्ष) अदन बेयर डुएले के नेतृत्व में केन्या के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल नेतृत्व ने 31 अगस्त 2023 को गोशिलि का दौरा किया। भारत में केन्या के उच्चायुक्त, एम्बर विली के बेट और केन्या शिपयार्ड लिमिटेड (केएसएल) के महानिदेशक, मेजर जनरल पॉल ओटिएनो प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने माननीय रक्षा कैबिनेट सचिव (सीएसडी) को गोशिलि के जहाज डिज़ाइन, जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत क्षमताओं से अवगत कराया। माननीय कैबिनेट सचिव ने शिपयार्ड की आधुनिक बुनियादी अवसंरचनाओं की क्षमता के साथ–साथ गोशिलि की विविध श्रेणी के उत्पाद में गहरी रुचि दिखायी जिसका उपयोग केन्या के समुद्री क्षेत्र में किया जाएगा। सीएसडी ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने–अपने देशों में सरकारी स्वामित्व वाले गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और केन्या शिपयार्ड लिमिटेड के बीच घनिष्ठ सहयोग की इच्छा व्यक्त की।

उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 29-31 अगस्त 2023 तक भारत की 3 दिवसीय यात्रा पर आए थे। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विकास के मद्देनजर, गोशिलि और केएसएल ने भारत के माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और केन्या के महामहिम रक्षा कैबिनेट सचिव अदन बेयर डुएले के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर 29 अगस्त 2023 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए। एमओयू का उद्देश्य केएसएल के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में गोशिलि द्वारा सहायता प्रदान करना है, जिसमें प्रौद्योगिकी / डिज़ाइन सहयोग का हस्तांतरण, बुनियादी अवसंरचना विकास पर परामर्श, केएसएल कर्मियों के कौशल और केन्या में नए निर्माण के साथ–साथ जहाजों की मरम्मत में केएसएल की सहायता करना शामिल है ।

गोशिलि इंटीग्रेटेड स्टोर्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन



दिनांक 25 अगस्त 2023 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरमाने द्वारा नए स्टोर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया गया, जो गोशिलि आधुनिकीकरण कार्यक्रम की परिणति को चिह्नित करता है और यार्ड की क्षमता को उन्नत करने के लिए क्रियान्वित किया जा रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य अतिथि श्री गिरिधर अरमाने ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने में गोवा शिपयार्ड द्वारा विशेष रूप से भारतीय उद्योग के सहयोग से स्वदेशीकरण हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने देश के जहाज निर्माण उद्योग के पोषण और विकास के महत्व पर जोर दिया, जिसकी अतीत में एक समृद्ध विरासत रही है। शिपयार्ड की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, रक्षा सचिव ने इस बात पर बल दिया कि यह उद्योग तेजी से प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है और साथ ही गोशिलि कर्मचारियों और प्रबंधन को अत्याधुनिकता बनाए रखने के लिए दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में तैयार रहने के महत्व पर भी बल दिया।

अपने संबोधन के दौरान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय तटरक्षक को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और स्वदेशी जहाज निर्माण के माध्यम से समुद्री रक्षा बलों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए गोशिलि की प्रतिबद्धता दोहराई।

डीजीसीजी राकेश पाल ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके समर्पित प्रयास के लिए बधाई दी। डीजीसीजी ने कहा कि गोशिलि पूर्णता के लिए प्रयास करना जारी रखेगा और आने वाले वर्षों में उच्चतम लक्ष्य हासिल करेगा।

57वीं वार्षिक साधारण बैठक



29 सितंबर 2023 को आयोजित 57वीं वार्षिक साधारण बैठक (एजीएम) में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रभावशाली वित्तीय परिणामों की सूचना दी गई। उक्त वर्चुअल मॉड में आयोजित बैठक की अध्यक्षता श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने की और इसमें निदेशकों, लेखा परीक्षकों और शेयरधारकों ने भाग लिया, जिसमें वित्त वर्ष 2022-23 के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों को अंगीकृत किया गया।

सदस्यों को संबोधित करते हुए अप्रनि ने बताया कि कई चुनौतियों और प्रतिकूल भू–राजनीतिक स्थिति के बावजूद कंपनी ने वर्ष के दौरान निरंतर अच्छा प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2021-22 में 741 करोड़ रुपये की तुलना में 869 करोड़ रुपये हो गया और कर पूर्व लाभ पिछले वर्ष के 135 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 205 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें 52% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। 31 मार्च 2023 तक कंपनी की कुल संपत्ति 1,246 करोड़ रुपये हो गई है जो वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 09% अधिक है।

उन्होंने आगे उल्लेख किया कि वार्षिक साधारण बैठक में 33% का अंतिम लाभांश घोषित किया गया है, जो वर्ष के दौरान घोषित 75% के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल लाभांश प्रदत्त शेयर पूंजी पर 108% है, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए यह भुगतान 87% था।

अप्रनि ने कहा, कि 'पहली बार गोशिलि 20 समुद्री प्लेटफार्मों को एक साथ निष्पादित कर रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बीच, भारतीय नौसेना के लिए दो अत्यधिक तकनीकी रूप से उन्नत फ्रिगेट का निर्माण कार्य भली–भांति प्रगति कर रहा है। इसके अलावा, दो प्रदूषण नियंत्रण जहाजों और आठ द्रुत गश्ती जहाजों का निर्माण भी हो रहा है। श्रीलंका नौसेना के लिए और 4000 टन फ्लोटिंग ड्राई डॉक के निर्माण के लिए प्रतिष्ठित निर्यात अनुबंध भी संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रहे हैं।'

भारत सरकार के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, गोशिलि 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत', 'स्किल इंडिया', विभिन्न रक्षा प्लेटफार्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक को अपनाने और उपयोग करने, मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति आदि जैसी विभिन्न पहलों को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है।

अप्रनि ने रक्षा मंत्रालय, केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों और भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक अधिकारियों और अन्य सभी बहुमूल्य ग्राहकों को उनके निरंतर सहयोग और मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और कंपनी की निरंतर प्रगति के लिए सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए अटूट समर्थन और अथक प्रयासों की सराहना की।

पहले एलपीजी सिलेंडर वाहक पोत का जलावतरण



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) ने 8 सितंबर 2022 को श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यावि), ग्राहक प्रतिनिधि और गोशिलि के वरिष्ठ अधिकारियों की विशिष्ट उपस्थिति में गोशिलि की सबसे वरिष्ठ महिला कर्मचारी श्रीमती सिंथिया कोसेसाव ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के लिए स्वदेशी एलपीजी सिलेंडर वाहक पोत का जलावतरण किया। 2000 सिलेंडर को ले जाने के लिए इसे गोशिलि द्वारा ट्विन स्क्रू वेसल के रूप में विकसित और डिज़ाइन किया गया है। मुख्य भूमि से लक्षद्वीप के विभिन्न द्वीपों तक एलपीजी सिलेंडर पहुंचाने वाला यह अपनी तरह का अनोखा पोत है, जो सबसे आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत मशीनरी और नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित है। पोत को आईआरएस वर्गीकरण नियमों के अनुसार स्थिरता और समुद्र में रखने के उद्देश्य से एक कुशल पतवार के साथ बनाया गया है, जो आईएमओ नियमों और फ्लैगस्टेर की आवश्यकताओं को पूरा करता है। पोत की कुल लंबाई 10 मीटर की बीम के साथ 55 मीटर है और यह तीन डीजी सेट और दो 700 बीएचपी इंजन से सुसज्जित है।

उल्लेखनीय है कि गोशिलि ने सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के यार्डों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच इन 02 पोतों का अनुबंध हासिल किया है, जो प्रतिष्ठित युद्धपोत परियोजनाओं को निष्पादित करने वाले रक्षा जहाज निर्माता के रूप में अपनी शीर्ष स्थिति के अलावा, विविध गैर–रक्षा क्षेत्र के जहाज निर्माण में गोशिलि की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है।

इस अवसर पर, अप्रनि, गोशिलि ने कहा कि ''जहां तक गैर–रक्षा क्षेत्र में उत्पाद विविधीकरण का सवाल है, एलपीजी सिलेंडर वाहक पोत का शुभारंभ गोशिलि के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। पिछले दो वर्षों में कोविड–19 महामारी के कारण सामने आई चुनौतियों के बावजूद, यह संतोषजनक है कि हम सहमत समयसीमा के भीतर अगले कुछ महीनों में इस पोत को सुपुर्द करने में सक्षम होंगे। आने वाले महीनों में फॉलो–ऑन पोत भी लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने परियोजना कार्यान्वयन के दौरान गोशिलि का हौसला बढ़ाने के लिए हमारे लक्षद्वीप प्रशासन और उनके प्रतिनिधि एससीआई को भी अपना हार्दिक धन्यवाद प्रकट किया।''

दूसरे एलपीजी सिलेंडर वाहक पोत का जलावतरण



केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के प्रशासन के पोर्ट शिपिंग और विमानन के लिए बनाए जा रहे एलपीजी सिलेंडर वाहक पोत, के दो जहाज़ों की श्रृंखला में दूसरे पोत का जलावतरण, 14 जुलाई 2023 को श्री बी. के. उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोशिलि, कैप्टन जगमोहन, निदेशक (निपोप एवं व्यावि), श्री सुनील एस. बागी, निदेशक (वित्त), गोशिलि के वरिष्ठ पदाधिकारी और अन्य महनीय व्यक्तियों की उपस्थिति में श्रीमती बिंदू अब्राहम, अपर महाप्रबंधक (डिजाईन/इलेक्ट्रिकल) ने औपचारिक रूप से किया।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने दो एलपीजी सिलेंडर वाहक जहाज़ों के निर्माण के लिए लक्षद्वीप के पोर्ट शिपिंग एवं विमानन प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। जलावतरित किए गए पोत का उद्देश्य एलपीजी सिलेंडर या 60 टन युक्त पेट्रोलियम उत्पादों को मुख्य भूमि से लक्षद्वीप समूह तक पहुंचाना है। यह पोत 10 दिनों की क्षमता के साथ 11 नॉट की गति से संचालित करने में सक्षम है और इसमें 18 कर्मियों को ले जाया जा सकता है। इस व्यावसायिक जहाज़ को आईआरएस क्लास मर्चेंट शिपिंग नियमों और विनियमों के तहत डिज़ाइन और निर्मित किया गया है। यह पोत साज–सज्जा के उन्नत चरण में है। यह अनुबंध प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से हासिल किया गया था।

04 तटरक्षक एफपीवी का कील लेईंग समारोह



दिनांक 25 अगस्त, 2023 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में 04 तटरक्षक एफपीवी का कील लेईंग समारोह और गोशिलि इंटीग्रेटेड स्टोर कॉम्प्लैक्स का उद्घाटन संपन्न हुआ। यह शुभकार्य श्री गिरिधर अरमाने, आईएएस, रक्षा सचिव के करकमलों द्वारा डीजी राकेश पाल, पीटीएम, टीएम महानिदेशक, भारतीय तटरक्षक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोशिलि, श्री जसपाल सिंह, पुलिस महानिदेशक, गोवा, रियर एडमिरल अजय डी. थियोफिलस, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग गोवा क्षेत्र, आईजी मनोज वसंत बादकर, पीटीएम, टीएम, कमांडर तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम), आईजी एचके शर्मा, टीएम, डीडीजी (तकनीकी) भारतीय तटरक्षक, कैप्टन जगमोहन (सेवानिवृत्त), निदेशक (नियोप एवं व्यावि) गोशिलि और भारतीय तटरक्षक और गोशिलि के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुआ।

किसी भी जहाज़ के निर्माण में कील लेईंग सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है, जो उसके निर्माण प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक है। भारतीय तटरक्षक बल के लिए ये जहाज गोशिलि के इन–हाउस डिजाइन पर आधारित हैं और इन्हें सबसे आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत मशीनरी और कम्प्यूटरीकृत नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे वे सुपुर्दगी पर भारतीय तटरक्षक बल की सेवा में सबसे उन्नत द्रुत गश्ती पोत बन जाएंगे। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा डिज़ाइन किया गया द्रुत गश्ती पोत एक मध्यम रेंज का हथियार संपन्न सरफेस जहाज है, जिसकी कुल लंबाई 51.43 मीटर, चौड़ाई 8 मीटर, ड्राफ्ट 2.15 मीटर (लगभग) और कॉमप्लीमेंट 42 है जिसमें 7 अधिकारी और 35 नाविक शामिल हैं। उक्त जहाज 27 नॉट की अधिकतम गति के साथ सीपीपी व्यवस्था एवं दोहरे इंजन से संचालित है। इसकी 25% रिजर्व ईंधन के साथ क्रूज़िंग गति (12-14 समुद्री मील) पर 1500 समुद्री मील की क्षमता है। जहाज़ का जल विस्थापन लगभग 320 टन है। यह समुद्री अवस्था 4 तक समुद्री स्थितियों में काम करने और समुद्री अवस्था 6 तक उत्तरजीवी रहने में सक्षम है। इसका अपेक्षित सेवा जीवन 20 वर्ष है।

पोत की अतिरिक्त भूमिका: प्रतिकूल परिस्थितियों और युद्ध के दौरान, यह संसूचना हेतु संपर्क प्रदान करेगा और तटीय काफिलों को एस्कॉर्ट करेगा।

क्षति नियंत्रण सिम्युलेटर 'अमोघ' का पोर्ट ब्लेयर में कमीशनिंग

भारतीय नौसेना के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित क्षति नियंत्रण सिम्युलेटर (डीसीएस) 'अमोघ' का उद्घाटन समारोह के अध्यक्ष वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू, एवीएसएम, एनएम, उप प्रमुख द्वारा एयर मार्शल साजु बालकृष्णन एवीएसएम, वीएम, कमांडर-इन-चीफ, अंडमान निकोबार कमांड, भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, श्री सुनील बागी, निदेशक (वित्त), गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, और नौसेना स्टाफ के सदस्यों की उपस्थिति में 18 अगस्त 2023 को अंडमान और निकोबार कमांड, पोर्ट ब्लेयर में किया गया।

यह क्षति नियंत्रण सिम्युलेटर गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय नौसेना के लिए शुरू की जाने वाली ऐसी चौथी सुविधा है । इससे पहले सिम्युलेटर विशाखापट्टनम, लोनावाला और कोच्चि में स्थित नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में स्थापित किए गए थे। नौसेना प्रतिष्ठानों में स्थापित ये सिम्युलेटर शून्य डाउन टाईम के साथ भारतीय नौसेना कर्मियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर रहे हैं । डीसीएस मुख्य रूप से एक प्रशिक्षण प्रणाली है, जो समुद्र के भीतर विभिन्न परिदृश्यों में जहाज क्षति नियंत्रण और मरम्मत में चालक दल के प्रशिक्षण के लिए एक वास्तविक और तनाव युक्त लेकिन नियंत्रित वातावरण का अनुकरण करती है।

यह परियोजना 14 अगस्त 2023 को निर्धारित कार्यक्रम से पहले गोशिलि द्वारा पूरी कर ली गई और भारतीय नौसेना को सौंप दी गई। यह सुविधा पूरी तरह से स्वदेशी रूप से विकसित की गई है जो स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार के मिशन को आगे बढ़ाने में गोवा शिपयार्ड द्वारा किए गए प्रयासों को प्रदर्शित करती है। उद्घाटन के अवसर पर, वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू ने इस परियोजना को निष्पादित करने के प्रोफेशनल तरीके की सराहना की और इस सुविधा को स्वीकार करने वाले उपयोगकर्ता अर्थात भारतीय नौसेना की संतुष्टि व्यक्त की, जो अंडमान और निकोबार कमान के नौसेना कर्मियों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी।





गोशिलि और एमआईपीएल द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) और मैरिट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमआईपीएल) चेन्नई ने भारतीय तटरक्षक और नौसेना के समुद्री जहाजों के लिए राडार, इलेक्ट्रॉनिक चार्ट डिस्प्ले एवं सूचना प्रणाली (ईसीडीआईएस) और फाइबर ऑप्टिक जायरोस (एफओजी) जैसे महत्वपूर्ण नेविगेशन उपकरणों को स्वदेशी रूप से विकसित करने के लिए संयुक्त रूप से हाथ मिलाया है।

यह सहयोग प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के तहत इलेक्ट्रॉनिक और नेविगेशनल उपकरणों को विकसित करने के लिए पारस्परिक प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है और इस दिशा में किए जा रहे प्रयास भारत को 'मेक इन इंडिया' के संक्रमण काल से 'मेक फॉर दी वर्ल्ड' की ओर ले जा सकते हैं।

फरवरी 2023 में बैंगलोर में एयरो शो के दौरान श्री बी. के. उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और श्री वेंकटेशन, निदेशक – मैरिट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और इस रणनीतिक साझेदारी ने एमआईपीएल, बैंगलोर की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और अनुसंधान विशेषज्ञता और जहाज निर्माण और रक्षा में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के व्यापक अनुभव को एक साथ ला दिया है।

जहाज निर्माण और रक्षा क्षेत्रों की उन्नति के लिए गोशिलि और एफएसआईडी, आईआईएससी, बेंगलुरु में सहयोग



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और फाउंडेशन फॉर साइंस इनोवेशन एंड डेवलपमेंट (एफएसआईडी), भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु ने अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विकसित करने में एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू करने के लिए आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस महत्वपूर्ण साझेदारी का उद्देश्य स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देते हुए उत्पादकता, सुरक्षा और रक्षा तैयारियों को बढ़ाना है।

यह गठबंधन जहाज निर्माण और रक्षा उद्योग में एक प्रतिष्ठित कंपनी गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और अग्रणी अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों के लिए सुप्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु की विशेषज्ञता को एक साथ लाता है। यह सहयोग महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एआय की शक्ति का उपयोग करके समुद्री परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है।

गोशिलि और आईआईएससी, बेंगलुरु के बीच सहयोग का उद्देश्य एआय प्रगति के माध्यम से जहाज निर्माण और रक्षा में क्रांति लाना, उत्पादकता बढ़ाना, अत्याधुनिक सुरक्षा उपायों को लागू करना, रक्षा तैयारियों को मजबूत करना और स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना है। एआय-संचालित स्वचालन और अनुकूलन का लाभ उठाकर, भागीदार जहाज निर्माण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, निर्माण समयसीमा को घटाना और समग्र उत्पादकता को बढ़ावा देना चाहते हैं। एआय-संचालित प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम के कार्यान्वयन के साथ, गठबंधन का लक्ष्य सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को सुनिश्चित करना, दुर्घटनाओं को कम करना और कर्मियों और संपत्तियों की सुरक्षा करना है। इसके अलावा, उन्नत एआय प्रौद्योगिकियों के विकास से स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ेगी, जिससे नौसेना बलों को रक्षा अभियानों में सतर्क और उत्तरदायी रहने का अधिकार मिलेगा। स्थानीयकृत एआय विकास के माध्यम से, सहयोग का उद्देश्य रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है, जो देश की रणनीतिक स्वायत्तता में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह साझेदारी प्रगति को आगे बढ़ाने, स्थिरता को बढ़ावा देने और समुद्री क्षेत्र में अधिक सुरक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के साझा दृष्टिकोण का प्रतीक है।

श्री पी. रविंद्रन, महाप्रबंधक (उत्पादन) ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड का और प्रोफेसर बी गुरुमूर्ति निदेशक एफएसआईडी ने एफएसआईडी, आईआईएससी बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया। यह रणनीतिक साझेदारी समुद्री उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि, जिसका राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। अपनी विशेषज्ञता के संयोजन से, गोशिलि और आईआईएससी, बेंगलुरु का लक्ष्य नए उद्योग मानक स्थापित करना और एआय-संचालित प्रगति का मार्ग प्रशस्त करना है।

गोशिलि और बीजीआईईएस में जहाज निर्माण और रक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने के लिए सहयोग



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और बिट्स गोवा इनोवेशन, इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सोसाइटी (बीजीआईईएस, गोवा) अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों के विकास और कार्यान्वयन के माध्यम से जहाज निर्माण और रक्षा उद्योग में क्रांति लाने के अग्रणी प्रयास में शामिल हो गए हैं। आज, इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में नवाचार और प्रगति को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह रणनीतिक साझेदारी बिट्स गोवा की अनुसंधान विशेषज्ञता और जहाज निर्माण एवं रक्षा क्षेत्र में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के व्यापक अनुभव को एक साथ लाती है। एआय–संचालित समाधानों का लाभ उठाकर, उनका लक्ष्य परिचालन दक्षता बढ़ाना, जहाज डिजाइन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करना और रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है।

उक्त एमओयू के तहत, दोनों संस्थाएं अगले एक वर्ष की अवधि में जहाज निर्माण और रक्षा अनुप्रयोगों में एआय की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर निकटता से सहयोग करेंगी। साझा विशेषज्ञता और संसाधन उन्नत एआय एल्गोरिदम, पूर्वानुमानित रखरखाव मॉडल, स्वायत्त प्रणाली और भी बहुत कुछ के निर्माण करने की सुविधा प्रदान करेंगे।

श्री पी. रविंद्रन, महाप्रबंधक (उत्पादन) ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और प्रोफेसर सुमन कुंडू, अध्यक्ष बीजीआईईएस ने बीजीआईईएस, गोवा का प्रतिनिधित्व किया। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समुद्री और रक्षा क्षेत्रों में एआय प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए आपसी प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। गोशिलि और बीजीआईईएस के संयुक्त प्रयासों का निस्संदेह उद्योग पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा, जिससे वैश्विक बाजार में शिपयार्ड की स्थिति मजबूत होगी।

गांधीनगर, गुजरात डेफ एक्स्पो में गोशिलि का स्वदेशी जहाज निर्माण सामर्थ्य प्रदर्शन

12वां डेफ एक्सपो 18 से 22 अक्टूबर 2022 तक गांधीनगर में आयोजित किया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तहत एक अनुसूची 'ख' कंपनी है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के दौरान 2आर.19, हॉल नंबर 2 और स्टेटिक डिस्प्ले एरिया ओडी.12 पर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इच्छुक भारतीय और विदेशी उद्योग भागीदारों और संभावित ग्राहकों के साथ सक्रिय भागीदारी और बातचीत के लिए गोशिलि द्वारा एक समर्पित प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया। गोशिलि के प्रमुख उत्पादों जैसे ऑफशोर पेट्रोल वेसल्स, फास्ट पेट्रोल वेसल्स और एडवांस्ड मिसाइल फ्रिगेट के स्केल किए गए मॉडल का प्रदर्शन गोशिलि की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता पर प्रकाश डालते हुए किया गया। डेफ एक्सपो 2022 में मुख्य फोकस गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वदेशीकरण और आयात प्रतिस्थापन, विश्व के लिए भारत में निर्माण और और भविष्योन्मुखी तथा शक्तिशाली प्लेटफॉर्म निर्माण करना है।



गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार निर्धारित सुपुर्दगी अनुसूची से पहले जहाजों की सुपुर्दगी करके भारतीय जहाज निर्माण उद्योग में नए मानक स्थापित किए हैं। मजबूत डिज़ाइन हाउस और बेहतर गुणवत्ता वाले जहाजों द्वारा समर्थित, यह उच्च प्रौद्योगिकी और परिष्कृत जहाजों का निर्माण करते हुए देश में सबसे तेजी से बढ़ते शिपयार्ड के रूप में उभरा है। 200 से अधिक जहाजों और 160 से अधिक फास्ट इंटरसेप्टर नावों के 'निश्चित लागत' पर समय पर निष्पादन और सुपुर्दगी के बेजोड़ ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, गोशिलि भारतीय रक्षा शिपयार्ड की बदलती तस्वीर की सफलता की कहानी बयां कर रही है।

आधी सदी से अधिक समय में प्राप्त अपने अनुभव और उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठा तथा समय पर सुपुर्दगी के ट्रैक रिकॉर्ड को लगातार विकसित और समेकित करते हुए, गोशिलि आज आत्मविश्वास से स्वदेशी रूप से हमारी सेनाओं की भविष्य की आवश्यकताओं की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए तत्पर है।

गोशिलि स्टॉल रक्षा मंत्रालय वेन्यू का एक अभिन्न हिस्सा था और एक्सपो के सभी दिनों में आगंतुकों के लिए खुला रहा। गोशिलि एक्सपो के इतर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान कई समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए।





विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को प्रति वर्ष मनाया जाता है, जो पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और हमारे ग्रह की रक्षा के लिए वैश्विक प्रयास को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। यह दिन पर्यावरणीय मुद्दों को संज्ञान में लाने में और इसकी सुरक्षा के प्रति निरंतर प्रयासों की वकालत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है।



गोवा शिपयार्ड द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2023 बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन 4 जून 2023 को 'साइकिल रैली' के साथ शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य लाईफ अर्थात 'जीवन'(पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली) की अवधारणा को बढ़ावा देना था, जैसा कि ग्लासगो में सीओपी26 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए 'नासमझ और विनाशकारी उपभोग' के स्थान पर 'सावधान और सोच समझकर उपयोग' की दिशा में एक अंतरराष्ट्रीय जन आंदोलन के रूप में पेश किया गया था। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने, निदेशक (वित्त) और वरिष्ठ प्रबंधन की उपस्थिति में रैली को हरी झंडी दिखाई। स्थानीय समुदाय, स्कूली छात्रों, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कर्मियों और गोशिलि कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में उत्साही प्रतिभागियों ने मोगरा गेट, गोशिलि से साओ जैसिंटो द्वीप तक की 10 किलोमीटर की साइकिल रैली में भाग लिया।

2023 की थीम 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' की भावना को बनाए रखने के लिए गोशिलि कर्मचारियों को पर्यावरण दिवस पर एक शपथ दिलाई गई। शपथ के बाद पर्यावरणविद् श्री विट्ठल शेल्के द्वारा वृक्षारोपण अभियान और जीवन (पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली) पर जागरूकता वार्ता आयोजित की गई।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि पर्यावरण की सुरक्षा में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका है। यह हमारे दैनिक जीवन में निरंतर विकल्प बनाने के महत्व पर जोर देता है और हमें धरती माता के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे संयुक्त प्रयासों और पर्यावरण अनुकूल आचरण को लागू करके, हम हरित और स्वच्छ वातावरण बनाने की आशा कर सकते हैं।



14 जून विश्व रक्तदाता दिवस



वर्ष 2005 से 14 जून, विश्व रक्तदाता दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर में स्वैच्छिक रक्तदाताओं को उनके रक्त के उपहार के लिए जश्न मनाने और धन्यवाद देने का एक विशेष अवसर प्रदान करता है और सुरक्षित रक्त आपूर्ति के लिए सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने की दिशा में कार्रवाई का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। प्रत्येक दान एक अनमोल जीवन रक्षक उपहार है और बार–बार किया जाने वाला दान एक सुरक्षित और स्थायी रक्त आपूर्ति के निर्माण की कुंजी है।

वर्ष 2023 के अभियान का केंद्र बिन्दु

वर्ष 2023 विश्व रक्तदाता दिवस अभियान का नारा है **'खून दो, प्लाज्मा दो, जीवन साझा करें, अक्सर साझा करें।'** यह जीवन भर रक्त आपूर्ति समर्थन की आवश्यकता वाले रोगियों पर केंद्रित है और उस भूमिका को रेखांकित करता है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति रक्त या प्लाज्मा का बहुमूल्य उपहार देकर निभा सकता है। यह नियमित रूप से रक्त या प्लाज्मा देने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है, जो रक्त और रक्त उत्पादों की एक सुरक्षित और निरंतर आपूर्ति करता है जिसके कारण रक्त और प्लाज्मा सदैव पूरी दुनिया में हमेशा उपलब्ध रहेगा, ताकि सभी जरूरतमंद रोगियों को समय पर इलाज प्राप्त हो सके ।

रक्तदाता दिवस का उद्देश्य:

- उन लोगों के लिए जश्न मनाएं और उनका धन्यवाद करें जो रक्तदान करते हैं और अधिक लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित करते और नए रक्तदाता बनाएं या बनें
- अच्छे स्वास्थ्य वाले लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करें;
- सभी मनुष्यों के लिए सुरक्षित रक्त उत्पादों तक वैश्विक पहुंच प्राप्त करने में स्वैच्छिक गैर पारिश्रमिक नियमित रक्त और प्लाज्मा दान की महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर प्रकाश डालें,
- राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सभी सरकारों के बीच समर्थन जुटाना और विकास भागीदारों को राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने, मजबूत करने और बनाए रखने के लिए प्रेरित करना।



रक्तदान का महत्व

रक्तदान शरीर के लिए हानिरहित और सुरक्षित है, बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। स्वैच्छिक अवैतनिक दाता एक सुरक्षित रक्त आपूर्ति की नींव हैं, जो लाखों मनुष्यों को असामयिक मृत्यु के जबड़े से बचाता है। हमें मानव जाति को जीवन का अनमोल उपहार देने वाले इन गुमनाम नायकों की दिल से सराहना करने की जरूरत है।

आज चिकित्सा विज्ञान के तेज और उल्लेखनीय विकास के बावजूद, रक्त बनाने वाली कोई प्रयोगशाला नहीं है। अतः स्वैच्छिक ही आकस्मिक चोटों, जलने, रक्तस्रावी, एनीमिया, ल्यूकेमिया थैलेसीमिया और हेमोलिटिक जैसी बीमारियों जैसी आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सुरक्षित भंडारण में रक्त जमा करने का एकमात्र तरीका है।

एक रक्तदाता को निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करना होता है:

- **आयु** : 18 से 60 वर्ष के बीच
- **शरीर का वजन** : 45 किलो से ऊपर
- **पल्स रेट** : नियमित रूप से 60 से 100 प्रति मिनट
- **रक्तचाप** : सिस्टोलिक 100 से 140, डायस्टोलिक 70 से 100 तक
- **हीमोग्लोबिन** : कम से कम 12.5 ग्राम/रक्त का 100 एमएल
- **शारीरिक तापमान** : 37.5 डिग्री सेल्सियस से कम।

निम्नलिखित व्यक्तियों को रक्तदान नहीं करना चाहिए:

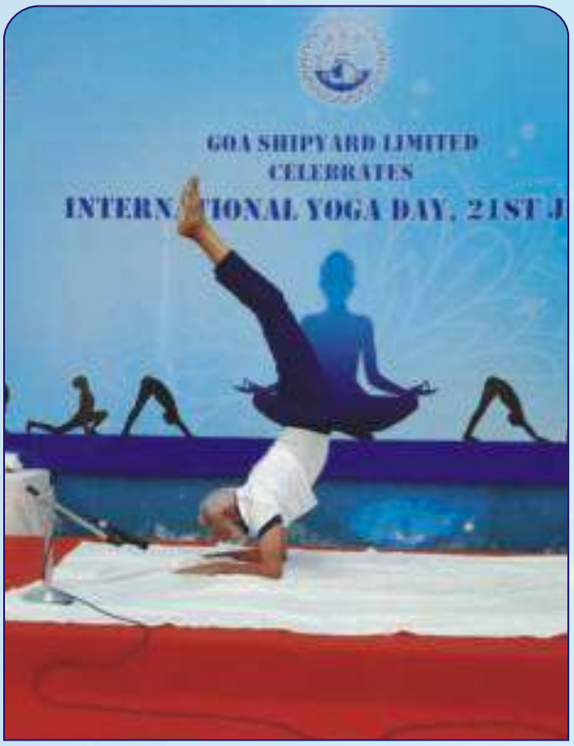
- जो अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं।
- जो या तो गर्भवती हैं या स्तनपान करा रही हैं।
- जिन्हें हृदय रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप, मिर्गी, मधुमेह है।
- जो एंटी–बायोटिक्स ले रहे हैं।
- जिन्हें जीवित टीकों से प्रतिरक्षित किया गया है।
- जिनका पिछले तीन महीनों के दौरान मलेरिया का इलाज चल रहा हो।
- जिन्होंने पिछले तीन महीनों के दौरान रक्त प्राप्त किया हो।
- जो पिछले छह महीनों के दौरान बड़े ऑपरेशन से गुजरे हों।
- जो एनीमिक हैं।

रक्तदान शिविर : आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वीकृत रक्तदान अमृत महोत्सव को मनाने के लिए, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने विश्व रक्तदाता दिवस मनाया, जिसका विषय था **'रक्त दो, प्लाज्मा दो, जीवन साझा करो, अक्सर साझा करो'**। इस स्मरणोत्सव के स्वरूप में, गोशिलि ने 26 मई 2023 को गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ब्लड बैंक के सहयोग से गोशिलि कर्मचारियों और सीआईएसएफ कर्मियों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें 86 दाताओं ने रक्तदान किया। साथ ही पोस्टरों के प्रदर्शन के माध्यम से रक्तदान के बारे में जागरूकता पैदा की गई।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गोशिलि द्वारा दिनांक 21 जून 2023 को गोशिलि कॉलोनी में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के योग शिक्षकों, निदेशकों, गोशिलि अधिकारियों और गोशिलि कर्मचारियों की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। गोशिलि अधिकारियों / कर्मचारियों के सेहत और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए नौवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सत्र का उद्घाटन कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, निदेशक (निगमित योजना परियोजना एवं व्यापार विकास) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। योग एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक क्रिया है जिसकी उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के योग शिक्षक, श्री लक्ष्मण मांद्रेकर ने सुबह 07.30 बजे से 08.30 बजे तक योग आसन सिखाए। योग शिक्षकों ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन करते हुए सबका मार्गदर्शन किया। योग शिक्षकों द्वारा योग के अलग–अलग सत्र आयोजित किए गए जो शरीर के विभिन्न अंगों के व्यायाम पर आधारित थे। उन्होंने इन आसनों को करने से होने वाले फायदे और हमारे शरीर पर पड़ने वाले उनके प्रभाव का संक्षिप्त विवरण भी दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।





स्वतंत्रता दिवस 2023



गोवा शिपयार्ड में उत्साह एवं उमंग भरे वातावरण में देशभक्ति की भावना के साथ गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। गोशिलि परिसर में श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर केऔसुबल द्वारा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अपने संबोधन में श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि, पिछले बारह महीने हमारे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं। हमारे सामने चुनौती यह थी कि हम जिस प्रकार के भू–राजनीतिक माहौल से गुजर रहे हैं, उसके कारण परियोजनाओं के समक्ष उत्पन्न महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करते हुए हम निष्पादन कार्य करें। पिछले बारह महीनों की इस यात्रा के दौरान, हमने सराहनीय प्रदर्शन किया है तथा हम विकास और लाभ की राह पर अग्रसर हैं। मैं गोशिलि के वित्तीय प्रदर्शन के लिए अपने सभी साथी सहयोगियों को उनके समर्पण और दृढ़ प्रयासों के लिए बधाई देता हूं, जिनके कारण वित्त वर्ष 2022-23 के लिए हम एमओयू में 70 से अधिक प्राप्तांक हासिल कर सके, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए हम मुश्किल से लगभग 40 अंक प्राप्त कर सके थे।

पिछले एक वर्ष में पी11356 फ्रिगेट परियोजना जिस तरह से आगे बढ़ी है हम सबके लिए प्रसन्नता का विषय है। तटरक्षक बल के प्रदूषण नियंत्रण पोत (पीसीवी) और द्रुत गश्ती पोत (एफपीवी) अन्य प्रमुख परियोजनाएं हैं, उनमें भी योजना एवं कार्यान्वयन के प्रयासों के कारण काफी प्रगति देखी जा रही है। 08 द्रुत गश्ती पोत कार्यक्रम के संबंध में, हमने एक साथ नवंबर 2022 में प्लेट कटिंग का काम शुरू किया है। 04 जहाजों का समवर्ती हल निर्माण शुरू हो गया है और इन 04 जहाजों की कील लेईंग इस महीने की 25 तारीख को रक्षा सचिव द्वारा संपन्न कराना निर्धारित है। हमारी एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि भारतीय नौसेना के लिए 07 एनजीओपीवी के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर है, जिसने हमारी ऑर्डर बुक स्थिति को 20,000 करोड़ से भी ऊपर पहुंचा दिया है। साथ ही हमने श्रीलंकाई नौसेना के लिए फ्लोटिंग डॉक की प्रतिष्ठित निर्यात परियोजना पर काम शुरू कर दिया है।

अप्रनि ने तकनीक के साथ–साथ चलते हुए अनुकूल और सक्रिय परिवर्तनों के साथ सर्वोच्च गुणवत्ता मानकों और सुरक्षा उपायों सहित बहुत कम समय में जहाजों का निर्माण कर जहाज–निर्माण के क्षेत्र में प्रभावी रूप से प्रतियोगी बनने की जरूरत पर भी ध्यान आकर्षित किया। बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण उत्पन्न बाधाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अंतर्निहित प्रक्रियाओं एवं उपायों को और अधिक विकसित करने पर बल दिया ताकि हम अपने उत्पादों को बेहतर कर सके तथा सुपुर्दगी समय–सीमा को भी कम कर सके।



हमें मशीनों की क्षमता उपयोग और मशीनों पर कर्मचारियों के कार्य समय की अवधि में सुधार करना होगा। गुणवत्ता हमारी पहचान होनी चाहिए और ब्रांड गोशिलि गुणवत्ता का पर्याय होना चाहिए। अखंडता, नवीनता और उत्कृष्टता की संस्कृति हमारा आदर्श वाक्य होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अगले 3 वर्षों में 'शेड्यूल ए पीएसयू' बनना है जबकि वर्तमान में हमारा तात्कालिक कार्य अपने उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करना है। हमारी रणनीति नए उत्पादों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास में नवाचार और स्वदेशीकरण में दृढ़ता से निवेश करने की है।

किसी भी संगठन के लिए 'टीम वर्क' बहुत महत्वपूर्ण है। गोशिलि परिवार के मुखिया के रूप में, अपने कर्मचारियों की जरूरतों और कल्याण का ध्यान रखना भी मेरी गंभीर जिम्मेदारी है। कर्मचारी न केवल मेरी सबसे अमूल्य संपत्ति हैं, अपितु वे मेरी ताकत, मेरी प्रेरणा और मेरे आत्मविश्वास का स्रोत हैं।

गोशिलि सेरेनेड ग्रुप द्वारा हिंदी, कोंकणी एवं मराठी में देशभक्ति गीतों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों एवं बहादुर सैनिकों की कुर्बानियों को याद किया गया। वास्को म्यूनिसिपल स्कूल के बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधारित नाटक एवं औद्योगिक सुरक्षा के महत्व को दर्शाती झाँकी प्रस्तुत की गई। केऔसुबल के कार्मिकों ने कार्यक्रम के दौरान बहुत ही बढ़िया अस्त्र–शस्त्र अभ्यास प्रस्तुत किया।



केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) एक अर्धसैनिक बल हैं, जिसका मुख्य कार्य सरकारी कारखानों एवं अन्य सरकारी उपक्रमों को सुरक्षा प्रदान करना है। ये बल देश के विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थानों की भी सुरक्षा करता है। आज इस बल की संख्या लगभग 1.50 लाख है। सीआयएसएफ का गठन 10 मार्च 1969 को हुआ था एवं इनका आदर्श वाक्य है– 'संरक्षण व सुरक्षा'। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में तैनात केन्द्रीय सुरक्षा बल की काराउ मागा प्लाटून द्वारा एक विशेष ड्रिल प्रस्तुत किया गया। सधे हुए जांबाजों की तरह करतब दिखाते हमारे सीआयएसएफ के जवानों के जज्बों को उपस्थित सभी ने सलाम किया।

हमारा देश कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में सबसे संपन्न है, अलग अलग राज्यों की संस्कृति विविध होते हुए भी विभिन्न रंगों की तरह घुली मिली है। विविधता में एकता हमारी पहचान है और इस पहचान को अपने शानदार अभिनय से जानदार बनाने के लिए म्युनिसिपल स्कूल वास्को के बच्चों द्वारा लोक नृत्य एवं लोक गीतों पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया गया।



स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर गोशिलि कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए एवं केऔसुबल को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु पुरस्कार दिया गया तथा मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

आजादी का अमृत महोत्सव

वास्को शहर में विशेष सफाई अभियान

ठेका मजदूरों के सहयोग से सड़कों की सफाई के तहत वास्को शहर की सड़कों पर दिनांक 03.10.2022 से सड़कों की सफाई का कार्य किया गया। विभिन्न प्रकार के कचरे जैसे प्लास्टिक, पत्ते, कागज आदि को एकत्र किया गया और एमएमसी–वास्को के निर्दिष्ट कचरा संग्रह क्षेत्र में निपटाया गया। जीएसएल गेट के बाहर केटीसी बस स्टैंड तक के क्षेत्र की सफाई की गई। जनता के उपयोग के लिए सड़क को साफ सुथरा रखा गया। उक्त अभियान का पर्यवेक्षण, पर्यवेक्षक एवं प्रशासनिक अनुभाग के कर्मचारियों द्वारा किया गया।





कीटनाशकों का धूमन

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने 11.10.2023 को वार्ड नंबर 15 वोलेंट–वास्को के स्थानीय क्षेत्रों में धूमन गतिविधि संपन्न की। इस पहल को वोलेंट क्षेत्र के स्थानीय निवासियों द्वारा व्यापक रूप से प्रोत्साहित मिला और इसकी बहुत सराहना हुई। यह अभियान वार्ड में मच्छरों के प्रजनन पर नियंत्रण लाने में मदद करेगा।

गुणवत्ता सुधार के महत्व पर सत्र

कामगारों के लिए उनके व्यापार के आधार पर एक प्रस्तुतिकरण सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 22.11.2022 को गुणवत्ता अनुभाग के अधिकारी श्री सुशील कुमार – वरिष्ठ प्रबंधक (गुणता आश्वासन) द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उत्पादन गतिविधियों जैसे वेल्डिंग, ग्राइंडिंग आदि के दौरान अपने संबंधित क्षेत्रों में कामगारों के कौशल को बढ़ाकर और दैनिक उत्पादन प्रक्रिया में बरबादी को कम करके गुणवत्तापूर्ण उत्पादन देने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना था।





सरकारी स्कूलों में देशभक्ति पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

सरकारी स्कूल वास्को में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने देशभक्ति पर विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। स्कूली बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के नृत्य प्रस्तुत किए गए जिससे राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास हुआ। कुछ बच्चों द्वारा हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों पर भाषण भी प्रस्तुत किए गए। ये प्रतियोगिताएं जन–भागीदारी और सार्वजनिक भागीदारी पर जोर देने के लिए आयोजित की गईं, जो 2022-23 के लिए आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का मुख्य विषय है।

देशभक्ति पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गणतंत्र दिवस समारोह

सरकारी स्कूल वास्को में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जहाँ बच्चों ने गणतंत्र दिवस–26 जनवरी 2023 के अवसर पर देशभक्ति पर विभिन्न प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने स्थानीय स्कूली छात्रों को भी अपनी गतिविधियाँ प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। स्कूली बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के नृत्य प्रस्तुत किए गए जिन्होंने राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा दिया। कुछ बच्चों द्वारा हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों पर भाषण भी प्रस्तुत किए गए। ये प्रतियोगिताएं जन–भागीदारी और सार्वजनिक भागीदारी पर जोर देने के लिए आयोजित की गईं, जो 2022-23 के लिए आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का मुख्य विषय है।





वाडें में सार्वजनिक पार्क का सफाई अभियान

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के पास वाडें में सार्वजनिक पार्क में सफाई अभियान चलाया गया। पार्क से सभी प्रकार के सूखे पत्ते, प्लास्टिक कचरा, रैपर, कचरा पैक हटाकर निर्धारित कचरा पेटी क्षेत्र में रखा गया। मनोरंजन के उद्देश्य से सार्वजनिक उपयोग के लिए पार्क क्षेत्र को साफ–सुथरा किया गया।

सामरिक सामग्री क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत

22.02.23 को श्री अंशुमान खिंडरिया, वरिष्ठ प्रबंधक आजादी का अमृत महोत्सव के तहत योजना विभाग द्वारा रणनीतिक सामग्री क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत पर एक प्रस्तुति आयोजित की गई। यह प्रस्तुति इस बात पर केंद्रित थी कि कैसे आत्मनिर्भर भारत पहल का उद्देश्य रणनीतिक सामग्री क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। यह पहल घरेलू उत्पादन के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और आयात पर निर्भरता कम करने पर थी। प्रस्तुति में संबंधित विभाग के अधिकांश कर्मचारियों ने भाग लिया।





पुरानी फाईलों की वीडिंग

दिनांक 19.10.2022 को फाइल वीडिंग गतिविधि आयोजित की गई। अप्रयुक्त और अप्रचलित कार्यालय की फाइलों को नियमित फाइलिंग कैबिनेट से अलग किया गया। बाद में इन फाइलों को उचित समूहन और पृथक्करण द्वारा कार्यालय स्टोर रूम रैक में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप दैनिक उपयोग के लिए नियमित कार्यालय दराजों में अतिरिक्त जगह मिली। कार्यालय के फर्नीचर जैसे मेज, कार्यालय की कुर्सी, अलमारी आदि की भी सफाई की गई जिसके परिणामस्वरूप कार्यालय का वातावरण स्वच्छ रहा।

सरकारी स्कूलों में सफाई अभियान

शासकीय स्कूल वास्को में सफाई अभियान चलाया गया। सभी प्रकार के कचरे जैसे पत्ते, लकड़ी की छड़ें, प्लास्टिक आदि एकत्र किए गए। इन कचरे को बाद में अलग कर दिया गया और आगे के निपटान के लिए निर्धारित कूड़ेदानों में डाल दिया गया। गोशिलि द्वारा सफाई गतिविधि के बाद सरकारी स्कूल के परिसर, जो विभिन्न प्रकार के कचरे से भरे हुए थे, को साफ सुथरा किया गया।



गोशिलि और केऔसुब कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए निबंध और ड्राइंग/पेन्टिंग प्रतियोगिता





गोशिलि और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कर्मचारियों के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में निबंध और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 19 जनवरी, 2023 को प्रशासन अनुभाग एवं हिन्दी अनुभाग के कर्मचारियों द्वारा संचालित किया गया। वहीं जीओआरसी क्लब में गोशिलि और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कर्मचारियों के बच्चों के लिए निबंध और ड्राइंग/पेन्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जो 2022-23 के लिए आजादी का अमृत महोत्सव का मुख्य विषय है। प्रतियोगिता के विजेताओं को स्वतंत्रता दिवस 2023 के अवसर पर गोशिलि के मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री संजय कृष्ण नव्हाले के हाथों सम्मानित किया गया।

ड्राइंग/पेन्टिंग प्रतियोगिता (5 से 10 वर्ष)







निबंध प्रतियोगिता (5 से 10 वर्ष)







ड्राइंग/पेन्टिंग प्रतियोगिता (10 से अधिक एवं 17 वर्ष तक)







गोशिलि में महिला सशक्तिकरण

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड एक नियोक्ता के रूप में सभी स्तरों पर लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए समान अवसर देता है और सचेत रूप से एक ऐसी कार्य संस्कृति का निर्माण करने का प्रयास करता है। 31 मार्च 2023 तक कंपनी के कार्यबल में महिला कर्मचारियों की संख्या 10.81% थी। सुरक्षित कार्य वातावरण प्राप्त करने के लिए महिला कार्यबल के लिए प्रख्यापित विभिन्न दिशा–निर्देशों का अनुपालन किया जाता है। गोशिलि ने एक महिला सेल बनाया है, जो महिला कर्मचारियों के लिए एक गतिशील और उत्तरदायी मंच है। गोशिलि ने प्रतिष्ठित एजेंसियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में महिला कर्मचारियों को सक्रिय रूप से समर्थन और नामांकित किया है। हर वर्ष की भांति, इस वर्ष भी 08 मार्च 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि सुश्री एग्ना क्लीटस, आईएएस, उप कलेक्टर और एसडीओ, पोंडा, ने कार्य–जीवन संतुलन, आत्म–सम्मान और आत्म–विश्वास को बढ़ावा देने और लैंगिक समानता जैसे विभिन्न पहलुओं पर सभा को संबोधित किया। एडवोकेट ईशान उसापकर द्वारा महिलाओं के विभिन्न कानूनी अधिकारों पर 'स्त्री' नामक एक सत्र भी आयोजित किया गया।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम





गोवा शिपयार्ड लिमिटेड महिला कर्मचारियों की गरिमा को बढ़ावा देने और बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और शिकायतों की जांच के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार एक विधिवत गठित आंतरिक समिति है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के आंतरिक समिति की अध्यक्षता एक वरिष्ठ महिला कार्यपालक करती है और इसमें एक बाहरी सदस्य होता है, जो यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों से परिचित होता है। वर्ष के दौरान, प्रत्येक तिमाही में एक बार, चार आंतरिक समिति की बैठकें आयोजित की गईं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी को यौन उत्पीड़न पर कोई शिकायत नहीं मिली और वर्ष 2022-23 के अंत में कोई शिकायत लंबित नहीं थी। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान यार्ड परिसर में गोवा लाइवलीहुड फोरम के सहयोग से गोशिलि द्वारा 25 नवंबर 2022 को महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा और भेदभाव के उन्मूलन पर जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष 'नुक्कड़ नाटक' सह कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम और लैंगिक संवेदनशीलता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए आउट बाउंड कार्यक्रम



सार्थ आयुर्वेदिक रिट्रीट एंड वेलनेस सेंटर, मडखोल, सावंतवाड़ी में अनलर्निंग अनलिमिटेड के सॉफ्ट स्किल ट्रेनर श्री प्रवीण सबनीस द्वारा दो बैचों में वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के लिए 'ग्रो एंड ग्लो' दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 24 वरिष्ठ अधिकारियों ने दो बैचों में, पहला 22-23 अप्रैल 2023 के दौरान और दूसरा 13-14 मई 2023 के दौरान भाग लिया।

उक्त दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान जिन विषयों को विशेष रूप से अधिकारियों के लिए शामिल किया गया था, वे थे आईसब्रेकर लीड फॉलो एक्टीविटी, स्वयं से मिले, व्यक्तिगत सकारात्मकताओं का आउटपुट प्रतिक्रिया : संवेदनशीलता की खोज, तर्क : महत्वपूर्ण सोच को सशक्त बनाना, आत्मनिरीक्षण : आभार व्यक्त करना, सामूहिक कार्य : गतिविधि आधारित सत्र, आउटपुट : समाधान समूह की प्रस्तुति, अगला कदम : योजनाओं और संभावनाओं की खोज करना, आईना गतिविधि, स्वास्थ्य जीवन आदि पर प्रस्तुति। उपरोक्त के अलावा पति–पत्नीओंने भी अपने पतियों के साथ मानवी बंधन दृष्टिक्षमता पर आयोजित सत्रों में भाग लिया। अन्य प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार है– ड्रीम्स, विजन, मिशन : इंट्रा और इंटरपर्सनल दृष्टिकोण में एक प्रेरक अंतर्दृष्टि, लीक से हटकर सोचें : लेटरल थिंकिंग एंड सॉल्यूशन सेट, एक्सप्लोर करें : डैम की सेर, सांस्कृतिक जुड़ाव। रिलैक्स एंड रिवाइव : योग सेशन, संगोष्ठी : वर्क लाइफ बैलेंस, सकारात्मक मनोवृत्ति के परिणामों की प्रस्तुति आदि।



सीएसआर पहल के अंतर्गत गोशिलि की जनकल्याणकारी परियोजनाएं

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति का निर्वहन

केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के लिए कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश के अनुसार गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियां संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप संपन्न की जा रही है। सीएसआर के अंतर्गत दायित्वों का निर्वहन और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करना हमारे लिए गर्व का विषय है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड हमेशा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति सजग रहा है। गोवा शिपयार्ड क्षमता निर्माण उपायों, जीवन-यापन के स्तर में सुधार, हाशिए पर और वंचित वर्गों / समुदायों के सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में सतत और न्यायसंगत विकास की दिशा में लगातार योगदान दे रहा है।

गोवा शिपयार्ड अपने सीएसआर पहल के माध्यम से सामाजिक विकास और स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार हेतु योगदान देता है और इसका संचालन जीवन मूल्यों के निर्माण के आधार पर करता है, ताकि समाज, समुदाय और पर्यावरणीय स्थिरता के विकास को निरंतर बढ़ावा दिया जा सके और सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में स्वयं की भूमिका निभा सके। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की सीएसआर और स्थिरता नीति को अधिक विशिष्ट बनाने के लिए उपरोक्त लक्ष्यों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता सुविधाएं, स्वास्थ्य, विशेष रूप से लड़कियों के लिए शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, समाज के कमजोर वर्गों की बुनियादी जरूरतों, वृद्ध और वृद्ध महिलाओं के लिए उपाय, दिव्यांगों को मुख्य धारा में लाना, ऊष्मायन केंद्र के माध्यम से तकनीकी स्टार्ट-अप को बढ़ावा देना, ग्रामीण क्षेत्रों का विकास, पर्यावरण स्थिरता, ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देना, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना, हरित और ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना आदि शामिल है।

गोवा राज्य हेतु सीएसआर पहल के अंतर्गत गोशिलि द्वारा किए गए कार्य

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा सीएसआर पहल के अन्तर्गत विगत पांच वर्षों में की गई प्रमुख परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

हेल्थकेयर

- स्थानीय समुदाय के लिए एम्बुलेंस एवं मोबाइल मेडिकल हेल्थकेयर कैंप।
- गोवा मेडिकल कॉलेज, बम्बोलिम में गरीब मरीजों के इलाज हेतु सुविधा।
- 104 लाख रुपये की वित्तीय लागत के साथ गोवा मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में इकोकार्डियोग्राफी मशीन खरीद कर स्थापित की गई।
- दक्षिण गोवा जिला अस्पताल, मडगांव, गोवा को सी-आर्म फ्लोरोस्कोप एक्स-रे मशीन प्रदान किया गया।
- ईएसआई अस्पताल के 15 सरकारी विभागों में 15 सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें उपलब्ध कराई गईं।
- स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) गोवा सरकार के लिए चिकित्सा उपकरण (एक्स-रे मशीन, अल्ट्रासाउंड मशीन, स्तन कैंसर स्क्रीनिंग मशीन)
- कॉटेज अस्पताल को आधारभूत ढांचे का समर्थन विभिन्न ईएनटी और अन्य संबंधित चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए।

कोविड-19 के दौरान हेल्थकेयर

- कोविड–19 महामारी से लड़ने के लिए पीएम केयर्स फंड में 125.00 लाख रुपये का योगदान।
- दक्षिण गोवा जिला (कोविड–19) अस्पताल, गोवा सरकार के लिए स्वचालित ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र।
- 01 पूरी तरह से स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक और 01 उच्च आवृत्ति एक्स–रे मशीन डीएचएस, गोवा सरकार को प्रदान की गई।
- सरकारी अस्पतालों और कोविड देखभाल संस्थान में कोविड–19 रोगियों के उपयोग के लिए ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटर्स।
- डीएचएस, गोवा सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शिरोडा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कासावली और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शिवोली को 03 ईसीजी मशीनें प्रदान की गईं ।
- कोविड–19 महामारी के प्रबंधन के लिए 50 फिंगर पल्स ऑक्सीमीटर, 01 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर, एक 3 केवीए यूपीएस, 1 वेंटिलेटर, 01 इलेक्ट्रोसर्जिकल यूनिट और 01 डिफिब्रिलेटर नेवल हॉस्पिटल (आयएनएचएस, जीवंती) को प्रदान की गईं।
- उप–जिला अस्पताल, चिकालिम को 03 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर, 01 वॉशिंग मशीन और 02 ईसीजी मशीन 4000 डेंगू किट, 500 मलेरिया किट, 01 डबल डोम ओटी लाइट, 02 प्रयोगशाला रेफ्रिजरेटर, 01 रेफ्रिजरेटर और 200 पीपीई किट प्रदान की गईं।

शिक्षा

- गोवा के विभिन्न स्कूलों को शैक्षिक सहायता (शैक्षणिक संस्थानों को मॉर्निंग असेंबली के लिए शेड का निर्माण, कंप्यूटर, डेस्क सह बेंच, वॉटर प्यूरीफायर आदि) प्रदान किए गए।
- गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स साखंळी, गोवा को प्रयोगशाला उपकरण सुपुर्द किए गए।
- न्यू वाडेम वास्को–द–गामा में लैब का निर्माण।

स्वच्छ भारत

- गोवा के विभिन्न स्कूलों के लिए स्वच्छता सुविधा एवं सुरक्षित पेयजल सुविधा।
- विभिन्न स्कूलों के लिए शौचालयों का निर्माण एवं नवीनीकरण।
- स्कूलों में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर की स्थापना।
- स्थानीय समुदाय के लिए 1000 कचरे के डब्बे, चिकालिम पंचायत को 250 कचरा संग्रहण डिब्बे।
- जीएसयूडीए, गोवा सरकार के सहयोग से कचरा निपटान सुविधा (अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना)





कौशल विकास परियोजना

- कौशल विकास (3 जी वेल्डिंग प्रशिक्षण, प्रशिक्षक और उत्कृष्टता केन्द्र को प्रशिक्षित करना)।
- सरकारी आईटीआई, वास्को का अंगीकरण।
- गोवा सरकार के सहयोग से बहुउत्पाद प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना और प्रसंस्करण प्रशिक्षण के माध्यम से जनजातीय महिलाओं का कौशल विकास।
- पोंटेमोल, कुरचोरीम में मल्टी प्रोडक्ट प्रोसेसिंग सेन्टर (एमपीसी) की स्थापना के माध्यम से कौशल विकास।

महिला सशक्तिकरण / लड़कियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता हेतु सीएसआर पहल

बहुउत्पाद प्रसंस्करण केंद्र

- पाली पंचायत, सांखली, कुडचडे के लिए बहु–उत्पाद प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना। (200 लाभार्थी)

डेयरी सहकारी परियोजना

- पेडणे तालुका, पेडणे महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति (1896 महिला सदस्य) नाम से एक विशेष महिला सहकारी समिति का गठन कर गाय, वर्मी कम्पोस्ट, बायोगैस इकाइयाँ आदि प्रदान की गई (1896 लाभार्थी)।

कृषि सहकारी परियोजना

- खोतीगांव एवं गावडोंगरी किसानों के लिए आजीविका वृद्धि परियोजना के अंतर्गत बीज, उर्वरक, पानी पंप, कुओं की बहाली प्रदान की गई (837 आदिवासी महिलाएं लाभार्थी)।

वॉटरशेड विकास परियोजना

- अडणे और बाली गांव जल संवर्धन हेतु भागीदारी दृष्टिकोण के माध्यम से वाटरशेड स्ट्रक्चर को बनाने के लिए महिलाओं को शामिल किया गया (500 लाभार्थी)

चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल परियोजना

- केपें में स्वास्थ्य जांच शिविर–नेत्र, दंत चिकित्सा, मधुमेह, कैंसर का पता लगाना, अस्थि घनत्व, थायराइड, एनीमिया, मासिक धर्म स्वच्छता शिविर और विभिन्न जागरूकता शिविर (20,000 से अधिक महिला लाभार्थी)।

अन्य परियोजनाएं

- सीएसआर पहल के अंतर्गत गोवा के स्वैच्छिक स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से गोवा के बिचोलिम, सत्तारी, धारबंदोरा और पोंडा तालुका के लिए 'कैंसर केयर परियोजना'।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), गोवा के सहयोग से बिचोलिम तालुका के 'किसानों के लिए आयुर्वेद' परियोजना।
- प्राकृतिक खेती और स्वस्थ जीवन शैली के लिए 'मिलेट के महत्व' पर जागरूकता फैलाना।
- तटीय सुरक्षा स्थापना को बनाए रखने के लिए गोवा पुलिस को एटीवी।
- गोवा ट्रैफिक सेल को सुरक्षा बैरिकेड्स और अन्य सामान प्रदान किया गया।
- मछुआरा समुदाय को उनकी दैनिक आजीविका को सुरक्षा प्रदान करने के लिए लाइफ जैकेट।
- सशस्त्र बलों के दिग्गजों, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों के लाभ के लिए उपाय।





अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा 'इन–हाउस आर एंड डी यूनिट' के रूप में मान्यता प्राप्त है। गोशिलि के अनुसंधान एवं विकास विभाग ने अपने उत्पादों में तकनीकी श्रेष्ठता लाने और भविष्य की तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए नए प्लेटफार्मों/उत्पादों/प्रौद्योगिकियों और गतिविधियों के ड़िजाइन और विकास की दिशा में अपने प्रयास जारी रखे हैं।

गोशिलि के पास उन्नत सुविधाओं के साथ नवीनतम अवेवा मरीन सॉफ्टवेयर के साथ अच्छी तरह से स्थापित कैड / कैम सुविधा है और हाल ही में ड़िजाइन और परीक्षण सुविधा की क्षमता और विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने के लिए कैड/कैम सुविधा की दूसरी पंक्ति के रूप में फोरेन जहाज ड़िजाइन सॉफ़्टवेयर का संचालन किया है। गोशिलि के पास परिमित तत्व विश्लेषण और कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स के लिए सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके जहाज ड़िजाइनों के विश्लेषण और सत्यापन के लिए इन–हाउस क्षमता भी है।

अनुसंधान एवं विकास हमेशा गोवा शिपयार्ड के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है और इसकी ड़िजाइन क्षमता को और बढ़ाने के लिए, गोशिलि ने एक इमर्सिव वर्चुअल रियलिटी वातावरण बनाने के लिए एक वर्चुअल रियलिटी सेंटर (वीआरसी) स्थापित किया है जिसका उपयोग युद्धपोत के 3डी स्टीरियोस्कोपिक मॉडल को देखने और ड़िजाइन समीक्षा के लिए किया जाएगा । इससे विभिन्न संभावित ग्राहकों को शिपयार्ड उत्पादों और क्षमताओं का प्रदर्शन करने की भी उम्मीद है। वीआरसी का समग्र लक्ष्य जहाज ड़िजाइनरों को डिजिटल मॉक–अप की कल्पना करने और उसके साथ बातचीत करने की क्षमता प्रदान करना और जटिल ड़िजाइन समस्याओं को हल करने और प्रारंभिक ड़िजाइन चरण में ही एर्गोनॉमिक्स से संबंधित विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना है, इस प्रकार विलंब और बाधाओं से बचना और पश्चदृष्टि ड़िजाइन परिवर्तनों की संख्या को कम करना है।

वर्ष के दौरान, भारतीय तटरक्षक के लिए प्रदूषण नियंत्रण पोत (पीसीवी) और द्रुत गश्ती पोत (एफपीवी) प्लेटफार्मों और भारतीय नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के अपतट गश्ती पोत (एनजीओपीवी) के ड़िजाइन और निर्माण गतिविधियों में प्रगति हुई है, जिसके परिणामस्वरूप यह क्षेत्र काफी हद तक जहाज ड़िजाइनों के आयात से बचने और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने से विदेशी मुद्रा में महत्वपूर्ण बचत करेगा। इसके अलावा, पीसीवी को नवीनतम प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित करने के लिए ड़िजाइन किया गया है और पर्यावरण/समुद्री प्रदूषण पर जोर और जागरूकता को देखते हुए, यह लगता है कि इस स्वदेशी उत्पाद की देशीय और साथ ही निर्यात बाजारों में जबरदस्त क्षमता है। उपरोक्त के अलावा, कंपनी ने सक्रिय रूप से उच्च मूल्य हथियार गहन पोत, नई पीढ़ी के द्रुत गश्ती पोत और अपतट गश्ती पोत जैसे विशेष जहाजों के ड़िजाइन और विकास का काम शुरू किया है, जिन्हें मित्रवत विदेशी देशों में निर्यात के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है।

फ्रिगेट परियोजना की ड़िजाइन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पूरा हो चुका है। इसने गोशिलि को अमूल्य ड़िजाइन डेटाबेस और हथियार गहन प्लेटफॉर्म से संबंधित अनुभव प्रदान किया है और शिपयार्ड को भारतीय नौसेना द्वारा अधिग्रहण के लिए योजनाबद्ध नई पीढ़ी के कार्वेट जैसे जटिल और उन्नत हथियार गहन प्लेटफार्मों को स्वदेशी रूप से ड़िजाइन करने की क्षमता से सुसज्जित किया है। वर्ष के दौरान, कंपनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास मद के तहत 10 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

आयकर आकलन 2023-24 : नया टैक्स स्लैब या पुराना



यदि आपकी सैलरी ₹ 7.5 लाख है तो आईए समझ लें कहां लगेगा कितना टैक्स ?

बजट 2023 में कुछ बदलाव किए गए हैं। इसमें नए टैक्स रिजीम (New Tax Regime) को डिफॉल्ट टैक्स रिजीम बनाया गया। वहीं, पुराने यानि ओल्ड टैक्स रिजीम (Old Tax Regime) को ऑप्शनल कर दिया गया। न्यू टैक्स रिजीम में कुछ बदलाव करते हुए अतिरिक्त आय पर टैक्स छूट दी गई। स्टैंडर्ड डिडक्शन को भी पहली बार जोड़ा गया। अब सवाल ये है कि इस बार आपको कितना टैक्स देना होगा और किस रिजीम में ज्यादा फायदा है ?

क. कितनी आय को किया गया टैक्स फ्री ?

वित्तमंत्री ने बजट भाषण के दौरान जब पर्सनल टैक्स पर जानकारी दी तो उन्होंने न्यू टैक्स रिजीम में 7 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स फ्री बनाया। पहले ये लिमिट 5 लाख रुपए थी। अब कंफ्यूजन यह है कि 7 लाख रुपए की इनकम को टैक्स फ्री किया गया तो 7.5 लाख रुपए की सैलरी वालों को कितना टैक्स देना होगा? समस्या का हल भी यहीं था। सरकार ने टैक्स रिबेट की लिमिट 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख रुपए की और 50 हजार रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी दिया। इस तरह कुल 7.5 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स फ्री हो गई।

ख. कौन सा टैक्स रिजीम चुनना फायदेमंद ?

यदि आपकी सालाना इनकम 7.5 लाख रुपए है तो आपको एक रुपए भी टैक्स नहीं चुकाना होगा। लेकिन, यह फायदा तभी मिलेगा, जब न्यू टैक्स रिजीम चुना गया हो। आसान तरीके से समझने के लिए हम दोनों रिजीम में 7.5 लाख रुपए की इनकम को उदाहरण के तौर पर लेते हैं।

I. नया टैक्स रिजीम

कुल सालाना इनकम	:	7.5 लाख रुपए
स्टैंसडर्ड डिडक्शन	:	50 हजार रुपए
सेक्शन 80C में छूट	:	न्यू टैक्सरिजीम में प्रभावी नहीं
कुल टैक्सेबल इनकम	:	7 लाख रुपए
कुल टैक्स देनदारी	:	25 हजार रुपए (3-6 लाख पर ₹15,000 और 6-7 लाख पर ₹10,000)
सेक्शन 87A में रिबेट	:	25 हजार
नेट टैक्स देनदारी	:	शून्य (मतलब 7.5 लाख रुपए तक की सैलरी पर कोई टैक्स नहीं)

II. ओल्ड टैक्स रिजीम

कुल सालाना इनकम	:	7.5 लाख रुपए
स्टैंसडर्ड डिडक्शन	:	50 हजार रुपए
सेक्शन 80C में छूट	:	1.50 लाख रुपए
कुल टैक्सेबल इनकम	:	5.5 लाख रुपए
कुल टैक्स देनदारी	:	22,500 रुपए (2.5-5 लाख पर ₹12,500 और 5-5.5 लाख पर ₹10,000)
सेक्शन 87A में रिबेट	:	पुराने टैक्स रिजीम में 5 लाख तक इनकम पर ही रिबेट है, इसलिए प्रभावी नहीं।
नेट टैक्स देनदारी	:	22,500 रुपए (सेस अलग से लागू होगा)

III. नया टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब स्ट्रक्चर

0 से ₹3 लाख तक = 0
₹3 लाख से ₹6 लाख = 5%
₹6 लाख से ₹9 लाख = 10%
₹9 लाख से ₹12 लाख = 15%
₹12 लाख से ₹15 लाख = 20%
₹15 लाख से ऊपर = 30%

IV. ओल्ड टैक्स रिजीम (60 साल से कम के इंडिविजुअल टैक्सपेयर्स के लिए)

0 से ₹2.5 लाख = 0
₹2.5 लाख से ₹5 लाख = 5%
₹5 लाख से ₹10 लाख = 20%
₹10 लाख से ऊपर = 30%

– सनोज कुमार पांडेय
वरिष्ठ प्रबंधक (आंतरिक लेखा परीक्षा)

गर्ल एंटरप्रेन्योर



वे दिन गए जब भारतीय लड़कियां गृह विज्ञान में डिग्री हासिल कर या गृहिणी बनकर संतुष्ट हो जाती थी। अब हम महत्वाकांक्षी हैं और अपने कैरियर की पूरी जिम्मेदारी ले रहे हैं। आँकड़े कहते हैं कि शीर्ष ग्रेडर में से 75% लड़कियां हैं और भारतीय एसटीईएम कॉलेजों में 47% आने वाले छात्र हैं। भारतीय लड़कियाँ हमेशा से प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार रही हैं, फिर हम नेतृत्व–उन्मुख भूमिकाएं अपनाने से पीछे क्यों हट रही हैं? हम गर्व से खुद को आविष्कारक, निर्माता, सृजनकर्ता या अपने दिमाग की उपज के संस्थापक के रूप में अपनी पहचान क्यों नही बना सकते? क्या यह न्यूरोडायवर्सिटी, सामाजिक बाधा की वजह से है या हम लड़कियों में सिर्फ आत्मविश्वास की कमी है? मैंने इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए गहराई से खोजबीन की। भारतीय माता–पिता को अपनी बेटियों की प्रगति बहुत अच्छी लगती है। इसके बारे में कोई संदेह नहीं है। हालांकि उन लड़कियों को हमेशा पूरा समर्थन दिया जाता है, जो मास्टर डिग्री या अपने सपनों की नौकरी करना चाहती हैं, लेकिन जब लड़कियां कोई जोखिम लेने का साहस करती हैं, तो माता–पिता उन्हें हतोत्साहित करते हैं। माता–पिता अपनी लड़कियों को खुश और सुरक्षित देखना चाहते हैं जबकि वे अपने बेटों को खुश और सफल देखना चाहते हैं। एक लड़की जो अपना खुद का स्टार्ट–अप शुरू करने के लिए निकलती है, उसकी उतनी सराहना नहीं की जाती जितनी लड़कों के बारे में की जाती है, जो ऐसा ही कुछ करने के लिए निकलता है। लेकिन लड़की के संबंध में पूछा जाता है कि आप राजस्व कैसे उत्पन्न करेंगे? घर पर आपके हिस्से का काम कौन संभालेगा? आप अपनी पढ़ाई का प्रबंधन कैसे करेंगे? यदि आपका स्टार्ट–अप विफल हो जाए तो क्या होगा? इस प्रकार के लाखों प्रश्न पूछे जाते हैं। एक लड़की को अपनी सभी पारिवारिक और सामाजिक प्रतिबद्धताओं पर विजय प्राप्त करनी होती है। उनमें कोई छूट नहीं दी गई है। अब इस समस्या का वर्णन करने के बाद, मैं पॉडकास्ट को समाधान की ओर ले जाना चाहूंगी। हम लड़कियां अपने लिए कुछ और समय और आज़ादी पाने के लिए क्या कर सकती हैं, ताकि हम प्रगति कर सकें?

1. हमारे बड़ों को प्रशिक्षित करें:

हमें अपने माता–पिता को सबसे सम्मानजनक तरीके से यह बताने की जरूरत है कि उद्यमिता के शुरुआती चरणों के दौरान हम कितने दबाव से गुज़रते हैं। उनकी असुरक्षा की भावना ही इसमें इजाफा करती है। हम उन्हें 'क्या होगा यदि' जैसे प्रश्नों के बजाय 'तो क्या हुआ' प्रश्न पूछने के लिए प्रशिक्षित करने से शुरुआत कर सकते हैं। 'मेरी बेटी असफल रही तो क्या हुआ, उसने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया और अब स्पष्ट रूप से जानती है कि वह जीवन में क्या करना चाहती है' यही उनका आदर्श रवैया होना चाहिए।

2. वर्तमान पर ध्यान दें:

लड़कियों को वर्तमान स्थिति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और अपने भाग्य का संचालक बनना चाहिए। किसी भी सूरत में छोटी–छोटी स्थितियों से समझौता न करें, बल्कि उत्कृष्टता का लक्ष्य रखें। अपने आत्मसम्मान से कभी समझौता न करें। जब तक हम ऐसा नहीं कर लेते, तब तक हम नहीं जान पाऐंगे कि हम किस योग्य हैं।

3. अन्य लड़कियों का समर्थन करें:

जो लड़कियां दूसरी लड़कियों का समर्थन करती हैं उनके लिए स्वर्ग में एक विशेष स्थान है। आइए अपने सहपाठियों, बहनों, माताओं और यहां तक कि कामवाली को खुश करना अपना व्यवसाय बनाएं। मैंने 8 मार्च से शुरू होने वाली 100 दिनों की चुनौती शुरू की है, जहां मैं कई तरीकों से महिलाओं का समर्थन करूंगी जैसे 12वीं कक्षा के जूनियर्स को संभावित कैरियर पथ पर नज़र रखने में मदद करना, माँ को घर के काम में मदद करना ताकि वह अपने कैरियर पर ध्यान केंद्रित कर सकें। मैं आपसे भी ऐसा करने का आग्रह करती हूँ। आईए, जिस स्वर्णिम भारत का हमने सपना देखा था, उसकी ओर कदम बढ़ाने के लिए हाथ मिलाएं। हम सभी मिलकर कुछ अलग कर सकते हैं।

– कुमारी विपुला विवेक सेल
सुपुत्री श्री विवेक के सेल

भ्रष्टाचार उन्मूलन में शिक्षा की भूमिका



'मैं किसी को भी अपने गंदे पैरों के साथ अपने दिमाग में नहीं चलने दूंगा।'

– महात्मा गांधी

भ्रष्टाचार एक व्यापक समस्या है और ऐसा लगता है कि हमारे देश में इसने अपनी जड़ें गहराई तक जमा ली हैं। लोगों ने नैतिकता को गिराकर, मानवीय मूल्यों की अवहेलना कर और समाज को नष्ट कर भ्रष्टाचार को अपने गंदे पैरों से अपने दिमाग में चलने की अनुमति दे दी है। यह अब एक महामारी की तरह फैल रहा है और हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। भ्रष्टाचार धीरे– धीरे एक राक्षस का स्वरुप ले रहा है, जो हमारे देश को बरबाद करने की धमकी दे रहा है।

भ्रष्टाचार क्या है? भ्रष्टाचार को सत्ता में बैठे लोगों द्वारा बेईमानी और धोखाधड़ी वाले आचरण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसमें विशेष रूप से पैसा शामिल है। विस्तार से कहें तो, यह अवैध तरीकों से संसाधन या सेवाएं प्राप्त करने के लिए शक्ति या धन का दुरूपयोग करना है। वर्तमान में यह समाज में सबसे अधिक बहस का विषय है क्योंकि इसने अमीर और गरीब के बीच की खाई को और अधिक चौड़ा कर दिया है।

भ्रष्टाचार के कारण अधिकांश संसाधन अमीरों और शक्तिशाली लोगों के हाथों में केंद्रित हो गए हैं, जिससे कि बेचारे गरीब निराश और असहाय हो गए है। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने भ्रष्टाचार को जन्म दिया है, जिसके बड़े पैमाने पर फैलने से सत्ता कुछ लोगों के हाथों की कठपुतली बन गयी है, जो जनता का शोषण का कारण बन गया है। भ्रष्टाचार की विस्तृत श्रृंखला, छोटी रिश्वतखोरी से लेकर बड़े पैमाने पर रिश्वतखोरी तक और विभिन्न घोटालों ने हमारी व्यवस्था को खराब कर दिया है और भारत को आज सबसे भ्रष्ट देशों में से एक बना दिया है।

प्राय: भ्रष्ट और शक्तिशाली लोगों द्वारा गरीब लोगों का बेरहमी से शोषण हो रहा हैं। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा की कमी है। गरीबों की शिक्षा तक पहुंच या तो बहुत कम या कभी–कभी बिल्कुल ही नहीं होती है, जिससे वे शोषण का आसानी से लक्ष्य बन जाते हैं। इसलिए, शिक्षा भ्रष्टाचार के खिलाफ प्राथमिक हथियारों में से एक है।

गरीबों को शिक्षित करने से उन्हें अपने अधिकारों का पता चलेगा और उन्हें अपने हालातों को सुधारने का अवसर मिलेगा। यह उन्हें सही अर्थो में स्वतंत्र बनाएगा और भ्रष्टाचार के खिलाफ युद्ध में एकजुट भी करेगा। अपनी उच्च साक्षरता के कारण केरल संभवत: भारत का सबसे कम भ्रष्ट राज्य है। इसलिए इसकी 97% साक्षरता को धन्यवाद देना चाहिए। इसके अतिरिक्त नैतिक शिक्षा पर भी विशेष बल दिया जाना चाहिए, जो सभी को दी जानी चाहिए। नैतिक शिक्षा एक ऐसी चीज़ है जिसका हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अभाव है। नैतिक शिक्षा लोगों में भ्रष्टाचार के उन्मूलन का कारण बन सकती है और लोगों में मानवीय मूल्यों को स्थापित करना भ्रष्टाचार उन्मूलन में सहायक हो सकता है।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा का भी उपयोग किया जा सकता है। इससे कम से कम भ्रष्ट लोग ईश्वर से डरने वाले तो बनेंगे ही, साथ ही उन्हें समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का भी एहसास होगा। शिक्षा की शक्ति असीम है, लेकिन इसकी अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करने के लिए प्रयासों की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता लाने के लिए और हमारे देश के लोगों के बीच शिक्षा का प्रसार करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

इस अद्‌भुत भूमि के नागरिक होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम भ्रष्टाचार मिटाएं और अपने राष्ट्र की छवि को स्वच्छ बनाएं। अगर किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त और खूबसूरत दिमागों का देश बनाना है तो इस प्रयास में समाज के तीन सदस्यों की अहम भूमिका होती है और वे हैं – माता, पिता और गुरू। इन तीनों में से हमारे देश में भ्रष्टाचार को खत्म करने में सबसे अधिक शिक्षक की भूमिका अहम है। अत: शिक्षा की शक्ति महत्वपूर्ण है । इस प्रकार शिक्षा ही वह तलवार हो सकती है, जो भ्रष्टाचार के राक्षस का वध कर हमारी मातृभूमि और समाज को उसके अत्याचार से मुक्त कर सकती है ।

डॉ. संकल्प गांवकर
सुपुत्र श्रीमती सुरेखा गांवकर

महात्मा गांधी (बापू) को पत्र द्वारा अहिंसा और प्रेम का संदेश



प्रिय बापू, मेरी बहुत दिनों से इच्छा थी और मन में रखे हुए था कि मैं आपको पत्र लिखूँ और यह माध्यम मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है 'मैं एक भारतीय होने के साथ–साथ आपके बताए हुए मार्ग पर चलने वाला नागरिक हूँ'। मैं खुद को बहुत ही भाग्यशाली समझ रहा हूँ कि मुझे आपको पत्र लिखने का मौका मिला।

अहिंसा से काम करना आपका संदेश मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि मुझे आपके विचारों को आचरण में लाने के बाद पता चला कि हर चीज हिंसा से नहीं जीती जा सकती, पर हर चीज अहिंसा से जीती जा सकती है – 'जैसे कि मानवी प्रेम'। मानवी प्रेम एक 'सत्य और अहिंसा' की जड़ है और वह जड़ हर आदमी के मन में होने की आवश्यकता है, प्रेम से सारे संसार को जीता जा सकता है।

बापू जी मैं आपसे यही प्रेम का उदाहरण जो मेरे साथ राह चलते हुआ वह आपके साथ बाँटना चाहता हूँ। मैं जब राह चलते यातायात संकेत पर खड़ा था – तब एक बच्ची मेरे पास आई और बोली भैया पेन खरीद लो ना मुझसे 'दस रुपये में एक और बीस रुपये में दो'। फिर मैंने उससे कहा दे दो दीदी मुझे दो पेन और मैंने उसे बीस रुपए दिए। बाद में फिर वह बच्ची बोली भैया ये लो चार पेन, 'बीस में भैया चार पेन है' और उसने मुझे चार पेन दे दिए, बाद में बहुत ही सुंदर मुस्कान उसके चेहरे पे आई और वहाँ से चली गई! बापू उस लड़की ने सत्य बोला और पेन की असली कीमत बताई, मैं पूर्णत: भावुक हो गया और उस दिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी मिली। वो बच्ची सच बोली तो बापूजी आपकी याद आ गई। मैंने आपसे यह भी सीखा है कि 'सब के साथ काम करो, सबको साथ लेके काम करो'। बापूजी मैं आपका पूर्णत: आभारी हूँ। आप मेरे जैसे युवा के लिए एक आदर्श रहे। भले ही आज आप हमारे साथ नहीं हो, परंतु आपकी यादें और आपकी सीख हमारे साथ हमेशा हमारे दिल में रहेगी।

– मुकेश म. जुनघरे
भंडार

स्वास्थ्य और फिटनेस



अच्छा स्वास्थ्य व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक रूप से बीमार हुए बिना अपना जीवन संपूर्ण रूप से जीने में मदद करता है। रोगयुक्त जीवनशैली के परिणामस्वरूप व्यक्ति की सेहत में गिरावट आती है। हर पीढ़ी के लिए स्वस्थ और फिट रहना बहुत जरूरी है। व्यायाम करना और स्वस्थ भोजन करना आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका है।

जो लोग अपने स्वास्थ्य को गंभीरता से लेते हैं और अपनी फिटनेस बनाए रखने के बारे में गंभीर हैं, वे दैनिक रूप से व्यायाम करते हैं, स्वस्थ आहार खाते हैं और पर्याप्त समय तक समय पर सोते हैं।

स्वस्थ और फिट रहने से आप सक्रिय रहते हैं और आपका आत्मविश्वास और एकाग्रता की शक्ति बढ़ती है। स्वस्थ और फिट रहकर, कोई भी व्यक्ति दूसरों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है और धीरे–धीरे दूसरों को उनके स्वास्थ्य, पोषण, और दीर्घकालिक खाद्य पदार्थों के विषय में ज्ञान बढ़ाने में मदद कर सकता है।

स्वास्थ्य बिगड़ने के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

1. **दैनिक तनाव :** छात्र अक्सर स्कूल के काम और परीक्षाओं को लेकर तनाव महसूस करते हैं। प्रोफेशनल लोग भी अपने जीवन और काम को लेकर तनाव में रहते हैं। ऐसी स्थितियां मानसिक स्वास्थ्य को असंतुलित कर देती हैं।

2. **डिप्रेशन :** किसी बात को लेकर लंबे समय तक तनाव का रहना अवसाद या डिप्रेशन का कारण बनता है और यह एक स्वास्थ्य समस्या का कारण बन जाता है।

3. **खानपान :** शराब, संरक्षित खाद्य सामाग्री आदि हानिकारक पदार्थ हैं, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य और फिटनेस पर विपरीत प्रभाव डालते हैं।

4. **नींद की कमी :** लोग देर रात तक काम करते हैं, लगातार अपने फोन आदि का इस्तेमाल करते हैं और अपनी निर्धारित नींद के आवश्यक चक्र को भी भूल जाते हैं। जैसा कि चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा सुझाव दिया गया है, प्रत्येक व्यक्ति के लिए नींद का एक निर्धारित समय अनिवार्य है। नींद की कमी के कारण हमारी जीवनशैली ख़राब हो जाती है।

5. **जंक फूड :** आजकल के जंक फूड ने हमारे आवश्यक उचित पोषण आहार का स्थान ले लिया है इसलिए जंक फूड जैसे अस्वास्थ्यकर भोजन की आदतें सीधे–सीधे सेहत को रोगयुक्त बना देती हैं।

प्रदूषण आदि जैसी प्राकृतिक घटनाएं भी हमें बीमार और अनफिट बनाती हैं। प्रतिकूल प्राकृतिक वातावरण से अपना बचाव करने के लिए उचित निवारक उपाय किए जाने चाहिए।

निम्नलिखित बातें व्यक्ति को स्वस्थ और फिट बनाए रखती हैं:

1. **नियमित व्यायाम दिनचर्या :** प्रत्येक व्यक्ति को एक निर्धारित समय पर दैनिक व्यायाम पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि यह सीधे तौर पर व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करता है।

2. **संतुलित पौष्टिक भोजन का सेवन :** खाने–पीने की हर चीज पर ध्यान देना चाहिए। संतुलित आहार जिसमें आवश्यक खनिज, विटामिन और प्रोटीन शामिल हों, व्यक्ति को स्वस्थ और फिट बनाता है।

3. **साफ सुथरा वातावरण :** हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे स्वस्थ जीवन रहने के लिए हमारा परिवेश स्वच्छ और साफसुथरा हो।

4. **उचित मात्रा में नींद लें :** चिकित्सीय मानदंडों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए।

5. **खूब पानी पीना :** पर्याप्त पानी पीने से हमारे अंदर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और चयापचय में सुधार करने में मदद मिलती है।

6. **स्वच्छता बनाए** रखें और हमेशा साफ–सफाई के प्रति ध्यान दे।

7. **जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें :** मानसिक स्वास्थ्य के लिए, फिट और स्वस्थ रहना महत्वपूर्ण है। खुश रहने और मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य तथा फिटनेस को बनाए रखने के लिए सकारात्मक विचारों का दिमाग पर अधिकार होना चाहिए।

अगर स्वस्थ और फिट रहना सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता मानी जाए, तो कोई मुश्किल काम नहीं है। उपर्युक्त सरल उपायों का पालन करके, हममें से प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ, फिट और सफल जीवन जी सकता है। विचारों का संतुलन बनाए रखना, पौष्टिक आहार, कठोर व्यायाम, योग, अपेक्षित नींद वास्तव में हमारी सेहत और स्वस्थ तथा फिट जीवनशैली के लिए मुख्य योगदान देने वाले घटक हैं।

– दिव्या घारसे
चिकित्सा विभाग

पहेलियाँ



1.	एक गुफा दो रखवाले, दोनों लंबे, दोनों काले?	■ **मूँछे**
2.	लाल घोड़ा रूका रहे, काला घोड़ा भागता जाए?	■ **आग और धुँआ**
3.	काला घोड़ा सफेद सवारी, एक उतरे तो दूसरे की बारी?	■ **तवा और रोटी**
4.	वह कौन सी चीज़ है, जो धूप में नहीं सूख सकती?	■ **पसीना**
5.	हरा आटा लाल पराठा, मिलजुलकर सखियों ने बाँटा?	■ **मेहँदी**

– भव्यान्शु यादव
सुपुत्र श्री बीरेन्द्र कुमार यादव, सामान्य इंजीनियरिंग सेवाएं

ग्रीन चैनल नीति



भारत को रक्षा उत्पादन और तैयारियों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने और भारत के 'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तथा व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए रक्षा क्षेत्र में नियमित और उच्च खपत वाली वस्तुओं की एक विस्तृत श्रेणी के लिए वित्तीय और गुणवत्ता पहलुओं का एक निश्चित पूर्व निर्धारित सेट रखने वाली फर्मों के लिए ग्रीन चैनल का दर्जा देने के लिए एक तंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, रक्षा मंत्री की मंजूरी से रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा एक ऐसी 'ग्रीन चैनल नीति' तैयार की गई। इस नीति के अनुसार किसी भी फर्म को एमओडी के किसी भी विभाग द्वारा ग्रीन चैनल का दर्जा दिया गया है, उसे एमओडी के तहत सभी खरीद एजेंसियों द्वारा स्वीकार और सम्मानित किया जाएगा।

यह नीति निर्माताओं को 'ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र' प्राप्त करने की अनुमति देती है, जो रक्षा सेवाओं को आपूर्ति किए जाने वाले उनके उत्पादों को स्व–प्रमाणित करेंगी, सुपुर्दगी पूर्व निरीक्षण को समाप्त करने से उनके उत्पादों की सुपुर्दगी में होने वाले विलम्ब में और अनुकूल लागत प्रभाव में कमी आएगी। इस लेख में, हम ग्रीन चैनल नीति के विषय में विस्तार से देखेंगें:

■ पात्रता मानदंड

पिछले तीन वर्षों के दौरान 1000 करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार करने वाली निम्नलिखित फर्में ग्रीन चैनल स्थिति / प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए पात्र हैं:

- ✦ भारतीय फर्में
- ✦ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम
- ✦ विनिर्माण सुविधा वाली विदेशी कंपनियाँ
- ✦ मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) अपने नाम या ब्रांड में उत्पादों की आउटसोर्सिंग करते हैं।
- ✦ मूल उपकरण निर्माता के पास पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय सहायक कंपनी है और भारत में विनिर्माण सुविधा है।

■ श्रेणियां

निर्माताओं को उनके बुनियादी अवसंरचनाओं और क्षमताओं के आधार पर निम्नलिखित श्रेणियों के लिए जीसीएस प्रदान किया जाता है:

- ✦ डिज़ाइन, विकास एवं उत्पादन
- ✦ विकास एवं उत्पादन
- ✦ उत्पादन

■ आवेदन प्रक्रिया

जो कंपनियां उपर्युक्त मानदंडों को पूरा करती हैं, उन्हें ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र या स्थिति के लिए विचार किया जाएगा और उनके उत्पादों को स्व–प्रमाणित करने की अनुमति दी जाएगी।

सभी पात्र फर्मों को ग्रीन चैनल सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करने के लिए निर्धारित प्रारूप में अनिवार्य दस्तावेजों के साथ

आवेदन पत्र जमा करना आवश्यक है। ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र प्रदान करने से रक्षा मंत्रालय द्वारा आवेदन के पंजीकरण और स्वीकृति की स्थिति प्रदान की जाएगी।

■ अनुमोदन प्रक्रिया

गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) के संबंधित प्राधिकारी और प्रधान निदेशालय, खरीद निदेशालय, उपयोगकर्ता निदेशालय के सदस्य और इस नीति के तहत जिम्मेदार कोई अन्य सदस्य ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र के लिए फर्म की पात्रता का आकलन करेंगे।

चयन समिति ग्रीन चैनल नीति से संबंधित सभी मुद्दों पर विचार करती है, जिसमें ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र प्रदान करना और ग्रीन चैनल नीति के अंतर्गत आने वाली वस्तुएं शामिल हैं। समिति उत्पादन लाइन का सत्यापन करेगी और उत्पाद का निरीक्षण करेगी।

प्रमाणन संख्या और उसकी वैधता के साथ ग्रीन चैनल फर्म या वस्तुओं का विवरण समय-समय पर डीजीक्यूए या डीजीएक्यूए की वेबसाइट पर अपडेट किया जाएगा। साथ ही, आवश्यकतानुसार फर्म या वस्तुओं की ग्रीन चैनल स्थिति की समीक्षा समिति द्वारा की जाएगी।

■ पंजीकरण शुल्क

पात्र फर्म को एकमुश्त गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क के रूप में 1 लाख रुपए का डिमांड ड्राफ्ट सेवा कर सहित रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा। ग्रीन चैनल प्रमाणन प्राप्त करने के लिए रक्षा खाते की समिति के संबंध में।

■ ग्रीन चैनल बैंक गारंटी

ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र प्राप्त किसी भी पात्र फर्म को सुरक्षा जमा के रूप में 50 लाख रुपये की अपरिवर्तनीय बैंक गारंटी जमा करनी होगी।

- ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र की वैधता
- ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र जारी होने की तारीख से 5 वर्षों के लिए वैध होगा।
- ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र का नवीनीकरण

ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र के लिए आवेदन वैधता समाप्त होने से 90 दिन पहले करना होगा। मूल ग्रीन चैनल की स्थिति केवल तभी मान्य होगी जब नवीनीकरण समाप्ति तिथि से 90 दिन पहले लागू किया गया हो और 50 लाख रुपये की बैंक गारंटी की आवश्यकता हो।

नोट: नवीनीकरण उपयोगकर्ता की सकारात्मक प्रतिक्रिया के आधार पर किया जाएगा।

■ दंड

ग्राहकों की सभी शिकायतें समिति के ध्यान में लाई जाएंगी। जांच के दौरान गड़बड़ी पाए जाने पर ग्रीन चैनल कमेटी 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाएगी और कंपनी को 3 साल के लिए ग्रीन चैनल सूची से बाहर कर देगी। गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) आवश्यकता पड़ने पर ग्रीन चैनल फर्म को उनके उत्पादों के संबंध में दोष जांच में भाग लेने की अनुमति देता है।

– लेस्टर एग्नेलो डिसा
(गु.आ. एवं वि.)

गति शक्ति - गति की शक्ति





प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान केंद्र सरकार की एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य भारत में बुनियादी अवसंरचना में क्रांति लाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 'समग्र बुनियादी अवसंरचना' के विकास के लिए 100 लाख करोड़ रुपये की परियोजना **गति शक्ति योजना** के आरंभ की घोषणा की है।

यह योजना बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं को पूरा करने में विलम्ब को कम कर सकती है और भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी बाजार बना सकती है।

* गति शक्तिः आरंभ की तारीख

गति शक्ति : दिनांक 13 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री गति शक्ति (पीएमजीएस) योजना आरंभ की, जिसका उद्देश्य अंतर–मंत्रालयी साइलो को तोड़ना और बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं की योजना को एकीकृत करना है।

* गति शक्तिः एक प्राथमिकता मिशन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2022 को वर्ष 2022 के बजट पर भाषण देते हुए कहा कि **गति शक्ति** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की चार बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। '**गति शक्ति** मास्टर प्लान का मापदंड – विश्व श्रेणी, आधुनिक बुनियादी अवसंरचना और लोगों और माल दोनों के आवागमन के विभिन्न तरीकों के बीच रसद तालमेल' लॉजिस्टीक सिनर्जी बनाए रखना है।

सरकार के लिए अवसंरचना सुधार और विकास पर ध्यान केंद्रित करना एक प्रमुख क्षेत्र रहा है। **गति शक्ति** मिशन विभिन्न बाधाओं को दूर करने और ऐसी परियोजनाओं के पूरा करने में होने वाले विलम्ब को में कम करने के सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। 'हम अगले 25 वर्षों के लिए एक नींव रख रहे हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने, योजना का शुभारंभ करने के बाद कहा कि यह राष्ट्रीय मास्टर प्लान 21वीं सदी की विकास योजनाओं को गतिशक्ति देगा और इन योजनाओं को समय पर पूरा करने में मदद करेगा। उन्होंने आगे कहा कि **'जब विश्व श्रेणी की अवसंरचना की बात आती है हम 'प्लग एन्ड प्ले' वाले एकीकृत दृष्टिकोण के साथ निर्माण और सुपुर्दगी करेंगे।'**

* गति शक्तिः यह कैसे काम करता है?

इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए रेल्वे, सड़कों और हाईवे पेट्रोलियम और गैस, बिजली, दूरसंचार, जहाजरानी और विमानन आदि सहित 16 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा नियोजित और शुरू की गई बुनियादी अवसंरचना पहलों को एकजुट करने के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल स्थापित किया जाएगा।

इन मंत्रालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करके, गति शक्ति पोर्टल, जिसका उद्देश्य एक केंद्रीकृत परिवहन और रसद ग्रिड भी है, सुचारू सूचना प्रवाह को सक्षम करेगा और परियोजना मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाएगा।

इसमें बड़े पैमाने पर बुनियादी अवसंरचना परियोजनाएं, जो अब गति शक्ति मास्टर प्लान में निर्धारित नुस्खों के अनुसार लागू की जाएंगी, उनमें भारतमाला, सागरमाला, उड़ान, रेलवे नेटवर्क का विस्तार, अंतर्देशीय जलमार्ग और भारत नेट जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं।

साथ ही यह लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजन की एक उम्मीद है। गति शक्ति मास्टर प्लान तीन बुनियादी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए काम करेगा, जिसमें माल और लोगों की आसान आवाजाही की सुविधा के लिए निर्बाध मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी; बेहतर प्राथमिकता, संसाधनों का इष्टतम उपयोग, क्षमताओं का समय पर निर्माण; और असंबद्ध योजना, मानकीकरण और मंजूरी जैसे मुद्दों का समाधान शामिल है ।

⁎ गति शक्ति मिशन: मुख्य उद्देश्य

यह रसद लागत को कम करके और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करके देश में निर्मित उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के व्यापक उद्देश्य के साथ, प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना भारत को देश के बुनियादी अवसंरचनाओं में सुधार के लिए दुनिया भर से निवेश आकर्षित करने में मदद करता है।

यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि वर्तमान में भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 12% रसद और आपूर्ति श्रृंखला की लागत है। यह वैश्विक औसत को 8% की तुलना में बहुत अधिक है। इस उच्च व्यय का कारण बनने वाले कारकों में सड़क मार्ग से परिवहन पर अत्यधिक निर्भरता है, जिसमें जलमार्ग, वायु और रेल नेटवर्क का कम उपयोग शामिल है। कुल मिलाकर, ये कारक अन्य देशों की तुलना में भारतीय उत्पादों की दरों में वृद्धि करते हैं, जिससे वे विश्व स्तर पर कम प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं।

विभिन्न हितधारकों के बीच अंतर–मंत्रालयी देरी, अनुमोदन में देरी और संवादहीनता से भारत के बुनियादी अवसंरचना के विकास में बाधा उत्पन्न हुई है। यह अक्सर निर्णय लेने में विलंब, समय और लागत का बढ़ने के कारण हो जाता है और इस प्रकार, बुनियादी अवसंरचना पर आधारित विकास के लिए गति को धीमा बनाता है। **गति शक्ति** योजना विशिष्ट क्षेत्रों में बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं को समेकित करती है, और विशिष्ट/अधिक समय लेने वाली अनुमोदन प्रक्रियाओं से बाधित हुए बिना विभिन्न मंत्रालयों को एक साथ परियोजनाओं की योजना बनाने में मदद करेगी।

'प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना एक ऐतिहासिक पहल है, जो विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और विभागों के बीच समन्वय को सक्षम बनाएगी जिससे योजना बनाने में आसानी होगी और साथ ही निष्पादन की कुल लागत में कमी आएगी। इस योजना के साथ शुरुआती अड़चनें हो सकती हैं, हालांकि, एक बार इन्हें आरंभ किया जाए तो, अवश्य ही यह प्रणाली बुनियादी अवसंरचना के विकास क्षेत्र में कायापलट चेंजर साबित हो सकती है।'

⁎ प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के लक्ष्य

गति शक्ति योजना के तहत हासिल किए जाने वाले विभिन्न लक्ष्यों का उल्लेख नीचे किया गया है:

- राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ नेटवर्क 2 लाख किलोमीटर के लक्ष्य हासिल करने के लिए सड़क मार्ग की क्षमता बढ़ाई जाएगी ।
- योजना में लगभग 200 नए हवाई अड्डों, हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रोम की कल्पना के साथ विमानन को भारी बढ़ावा मिलेगा।

- वित्त वर्ष 2025 तक रेल्वे माल ढुलाई की क्षमता को बढ़ाकर लगभग 1,600 टन किया जाएगा।
- ट्रांसमिशन नेटवर्क के साथ बिजली की पहुंच को बढ़ाकर 454,200 सर्किट किमी तक किया जाएगा।
- वित्त वर्ष 2025 तक नवीनीकरणीय क्षमता को बढ़ाकर 225 जीडब्ल्यू किया जाना है।
- साथ ही इसी साल करीब 17,000 किलोमीटर गैस पाईपलाइन का काम पूरा हो जाएगा।
- वित्त वर्ष 2022 तक गांवों के लिए 4जी कनेक्टिविटी।
- 20 नए मेगा फूड पार्क का निर्माण।
- तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में 11 औद्योगिक कोरिडोर और दो नए रक्षा कोरिडोरों का निर्माण।
- 202 मछली पकड़ने के समूह/बंदरगाह/लैंडिंग केंद्रों का निर्माण

– सिद्धार्थ कास्कर (गुणता आश्वासन)
– अतुल नाईक (गुणता आश्वासन)

काव्यांजलि

इंसान



जाति देखो, ना पाती देखो,
देखना है तो, मुझ मे इंसान देखो।

आदमी समझकर, मुझे प्यार दो,
इंसान समझकर, मुझे जीने दो।

लाशें ना बिछाओ, खून ना बहाओ,
बिछाना है तो, फूल बिछाओ।
बहाना है तो, प्यार की गंगा बहाओ।

ना बंदूक दो, ना तलवार दो,
देना है तो, मुझे रोटी दो।

नफरत ना करो, हिंसा ना करो,
करना है तो, सबसे प्यार करो।

प्रविण पाटील
बीएडब्ल्यू (वेल्डर)

अमन-ए-वतन



टूटी हुई माला की तरह बिखर गए,
धर्म के नाम से बहने वाली विष
वायु बन के बह गए,
इंसानियत भूल गए,
इंसान हैं फिर भी हैवान बन गए।

बिछड़ा कर कमर तोड़ने वाली,
कहर फैलाने वाली,
खबरों की तरह बंट गए,
धर्म, जाति, प्रजातियों में बंट गए,
टूटी हुई माला की तरह बिखर गए?

रफी शेख
मानव संशाधन एवं प्रशासन

ऊँचाई



ऊँचाई से मत घबराना,
गर दिल में हो कोई अरमान।
अपने हौसले कर बुलंद तू,
छूना है तुम्हें आसमान ?

वक्त है सही,
इरादा है पक्का।
तू मार ले उड़ान,
छूना है तुम्हें आसमान?

ना दे कोई साथ,
ना दे कोई हाथ।
अपनी हिम्मत तू ना खोना,
छूना है तुम्हें आसमान?

मुश्किलों से भरा यह जीवन,
तू मत रोक अपने कदम।
बढ़ते रहना हमारी शान,
क्योंकि छूना है तुम्हें आसमान?

बचपन के सपने को,
दे हकीकत का नाम।
कोशिश कर, आगे बढ़,
छूना है तुम्हें आसमान?

तू देख फिर नया सपना,
नई उम्मीदों से आगे बढ़ना ।
कर नई खोज, नई मंजिल की तलाश,
क्योंकि छूना है तुम्हें आसमान?

– स्वाति दुर्गादास सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग

माँ



माँ आप हो शीतल चंदन सी छाया,
आपके माध्यम से ही हमने सुरु सानिध्य पाया
कितना भी करे धन्यवाद तुझे माँ
वो कम ही है आज समझ में आया
माँ आप हो शीतल चंदन सी छाया?

तूने कभी नहीं ये जताया
सदा हंसते चेहरे से तूने माँ
हमारे हर सुख दु:ख को अपनाया
माँ आप हो शीतल चंदन सी छाया?

कितनी भी आए मुसीबतें
तूने जिंदगी के हर रंग को गुरु इच्छा से अपनाया
तेरे इस सरल स्वभाव ने हमको जीना सिखाया
माँ आप हो शीतल चंदन सी छाया?

इतनी सहजता से तूने ये समझाया
फिर छूटी इस जग की माया
हमने जबसे इस शक्ति का साथ
हमने जीवन के उस वजूद को पाया
जो भीतर ही कहीं ना कहीं था खोया
माँ आप हो शीतल चंदन सी छाया
आपके माध्यम से ही हमने सुरु सानिध्य पाया?

– रमीज राजा
वित्त विभाग

प्रकृति का संदेश



चिड़ियों से है उड़ना सीखा,
तितली से इठलाना।
भंवरों की गुंजन से सीखा,
राग मधुरतम गाना।।

तेज लिया सूरज से हमने,
चाँद से शीतल छाया।
टिम-टिम करते तारों की,
हम समझ गए सब माया।।

सागर ने सिखलाया हमको,
गहरी सोच की धारा।
गगनचुम्बी पर्वत से सीखा,
हो ऊँचा लक्ष्य हमारा।।

समय की चिक-चिक ने समझाया,
सदा ही चलते रहना।
मुश्किल कितनी आए पड़े,
पर कभी न धीरज खोना।।

प्रकृति के कण-कण में है,
सुंदर संदेश समाया।
ईश्वर ने इसके द्वारा ज्यों,
अपना रूप दिखाया।।

– भव्यान्शु यादव
सुपुत्र श्री बीरेन्द्र कुमार यादव
सामान्य इंजीनियरिंग सेवाएं

माँ



तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...
तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...

तुने ही तो मेरा अस्तित्व लिखा है।
मेरी पहली चीख से लेकर पुकार तक,
पहले शब्द से लेकर संसार तक,
मेरे चलने से लेकर बोलने तक,
मेरे हसने से लेकर रोने तक,
मेरे जगने से लेकर सोने तक,
तेरा लिखा हुआ ही तो हूँ मैं माँ।

तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...
तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...

तू मेरी परछाई को भी बचा के रखती थी।
मेरे इस शरीर को हर मौंसम से बचा के रखती थी।
खुद खाए या ना खाए मेरे को खिलाया करती है।
मेरी माँ ही है जो मूझे खुद से ज्यादा चाह करती है।
तेरा लिखा हुआ ही तो हूँ मैं माँ।

तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...
तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...

अब हम बड़े हुए है पर माँ के लिए उतने ही है।
उनके लिए बहुत दुख होता है मुझे, जिनकी माँ नहीं है।
उनके शरीर में जान तो है पर माँ के प्यार का जहान नहीं है।
माँ के प्यार का वो कर्ज, हम कभी चुका नहीं सकते।
कर ले हम कितनी भी कोशिश, लेकिन वो प्यार
हम किसी और से पा नहीं सकते

तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...
तुझपे भी क्या लिखूं मैं माँ...

– प्रदीप कुमार
वित्त विभाग

पुरस्कृत कविताएं

मैं हिंदी हूँ



मैं हिंदी हूँ मैं हिंदवी,
भारत की मैं ही तूती भी,
मैं भाखा हूँ, मैं वाणी भी,
संस्कृत सुता अनूठी भी।

संस्कृत से प्रकट भई,
अपभ्रंश की मैं जाई हूँ,
रानी से मैं दासी बनी,
हिंग्लिश पे सिमट आई हूँ।

अवधी का मानस मैं ही हूँ,
ब्रजभाषा की तरुणाई भी,
कबीर में रहीम में,
दोहा भी मैं चौपाई भी।

मैं लाग में लगाव में,
हास और परिहास भी,
मैं ईद की अजान हूँ,
मैं प्रार्थना अरदास भी।

दीनों की मैं ही बोली हूँ,
भाषा हूँ अभिजातों की,
समझो ना मुझको कैक्टस,
मैं पुष्प परिजात भी।

मुझे तोड़ के मरोड़ के,
खंड-खंड भी करके देख लो,
मुझे नित-नवीन पाओगे,
जैसे भी आजमाओगे।

मैं मान हूँ, मैं शान भी,
हिंदुस्तां की पहचान भी,
माँ भारती के भाल का,
सौंदर्य ज्वाजवलमान भी।।

– डॉ. प्रिया रानी
नेवी चिल्ड्रन स्कूल, वास्को-द-गामा

आह्वान



डगमग डगमग धरती डोलेगी चंदा तारे भी कापेंगे
लाल मेरे जब काल बनोगे ब्रम्हा विष्णु भी नाचेंगे
मांगती हूँ मुंहखोल के लाले माथे विष प्याला बांधों
चाह नहीं पुष्पों की मुझको नरमुंडों की माला बांधों
कुढ़ते हैं जो शुक्र शनिचर महादेवों को भी क्रुद्ध करो
देवी चंडिका कहती है तुम आगे बढ़कर युद्ध करो।

लाल नेत्र हैं लाल अंगिका लालम लाल भवानी है
माँ अपने लालों से मांगे लाल रक्त बलिदानी है
तुम श्री राम हो श्री कृष्ण हो कायर दुष्टों के संहारक हो
स्वर्णिम पृष्ट हैं इतिहासों के पौरूष के तुम मानक हो
आन टीकी हैं इस भूमि पे रक्तपिपासु गिद्धों की नजरें
करो सफाया दुष्टों का और भारतभूमि शुद्ध करो
देवी चंडिका कहती है तुम आगे बढ़कर युद्ध करो।

रणधीरे तेरा गौरव स्वर्ग को ओछा करने वाला है
शीष बहुत लड़ते होंगे तेरा धड़ भी लड़नेवाला है
साक्षात तुम महाकाल हो नहीं किसी से ड़रने वाले हो
मति यही है गति तुम्हारी तुम लड़ कर मरने वाले हो
आते बहुत चंद ही मौके निज पराक्रम दिखलाने को
डालो आहुति यज्ञ में खुद की भारतगाथा समृद्ध करो
देवी चंडिका कहती है तुम आगे बढ़कर युद्ध करो।

कोई न शंका आने देना तुम वीर शिवा अवतारी हो
तुम वीरभद्र हो महावीर हो सौ सिंहों पर भारी हो
वीरों के उत्सर्ग की प्यारे अंतिम यही निशानी है
रण भूमि में रणदेवी मांगे जीवित प्राण जवानी है
पाओ खुद को अक्षम जो वीरे पहले से बतला देना
चूड़ी बिंदी महावर गह लेना या स्वयं को वृद्ध करो
देवी चंडिका कहती है तुम आगे बढ़कर युद्ध करो।

– विशाल नारायण
आयएनएस, हंस



सीएसआर पहल के अंतर्गत गोवा के स्वैच्छिक स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से गोवा के बिचोलिम, सत्तारी, धारबंदोरा और पोंडा तालुका के लिए 'कैंसर केयर परियोजना'

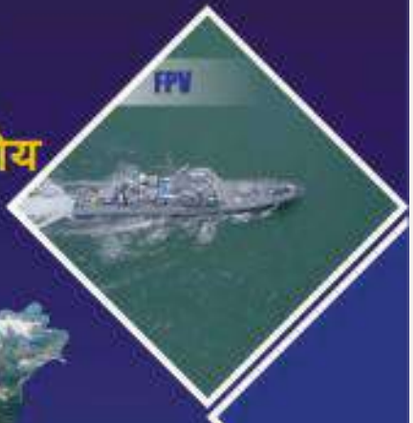


हर काम देश के नाम

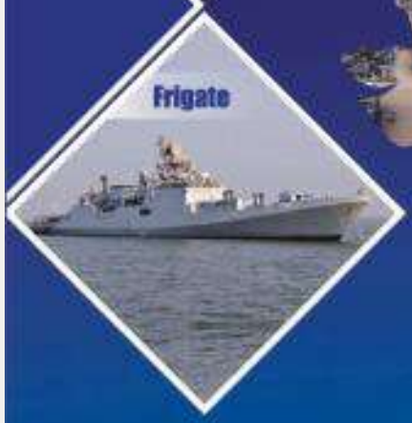
गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

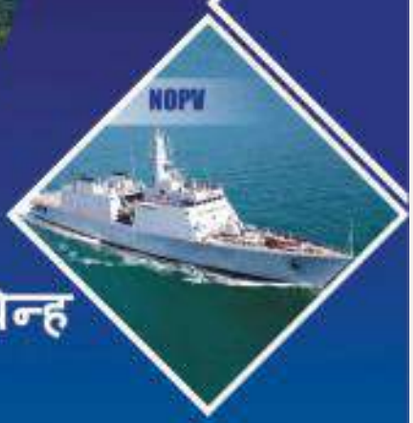
उत्कृष्टता के प्रति कृतसंकल्प





1957 से भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूती प्रदान करते हुए





हमारे पदचिन्ह

उत्पाद विवरण



















प्रमाणन

NABCB QM 006

NABCB EM 005

CRISIL CREDIT RATING
Long - Term "AAA"
Short - Term "A1+"

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

(रक्षा मंत्रालय का उत्कृष्ट निष्पादित शिपयार्ड)

संपर्क करें :- fpg_office@goashipyard.com, contactus@goashipyard.com

www.goashipyard.in goashipyardltd GoaShipyardLtd